हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 | www.prakharpurvanchal.com | Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 66, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 3 सितम्बर, 2023 दिन रविवार | गाजीपुर/वाराणसी

पीएसएलवी-सी57 ने आदित्य-एल1 को सफलतापूर्वक कक्षा में किया स्थापित

बंगलूरू/नई दिल्ली। चंद्रयान-3 की सफलता के कुछ दिन बाद भारत ने शनिवार को अपने पहले सूर्य मिशन आदित्य एल-1 को प्रक्षेपित किया। प्रक्षेपण भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के रॉकेट पीएसएलवी से किया गया। सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य एल-1 को धरती से 15 लाख किलोमीटर दूर लैग्रेंजियन-1 बिंदु तक पहुंचने में 125 दिन लगेंगे। आदित्य एल-1 की परियोजना निदेशक निगार शाजी ने अपने इसरो के साथी वैज्ञानिकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह एक सपने के सच होने जैसा है।

125 दिनों की लंबी यात्रा शुरू– निगार शाजी ने कहा कि यह एक सपने के सच होने जैसा है। मुझे बेहद खुशी है कि आदित्य एल-1 को पीएसएलवी द्वारा इंजेक्ट किया गया है। आदित्य एल-1 ने अपनी 125 दिनों की लंबी यात्रा शुरू कर दी है। एक बार जब आदित्य एल-1 कमिशन हो जाएगा, तो यह देश और वैश्विक वैज्ञानिक बिरादरी के लिए एक बड़ी कामयाबी मैं इस मिशन को संभव बनाने में उनके समर्थन और मार्गदर्शन के लिए पूरी टीम को धन्यवाद देना चाहती हूं।

आदित्य-एल1 ने बिजली पैदा करना शुरू किया– इससे पहले, शनिवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने कहा कि पीएसएलवी-सी57 द्वारा आदित्य-एल1 का प्रक्षेपण सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यान ने उपग्रह को ठीक उसकी इच्छित कक्षा में स्थापित कर दिया है। भारत की पहली सौर वेधशाला ने सूर्य-पृथ्वी छ1 बिंदु के गंतव्य के लिए अपनी यात्रा शुरू कर दी है। इसरो का कहना है कि आदित्य-एल1 ने बिजली पैदा करना शुरू कर दिया है। सौर पैनल तैनात हैं। पहली अर्थबाउंड फायरिंग तीन सितंबर को लगभग 11:45 बजे निर्धारित है। इस दौरान मिशन अगली कक्षा में प्रवेश करेगा।

इसरो अध्यक्ष ने भी दी बधाई– वहीं, आदित्य एल-1 के सफल प्रक्षेपण पर इसरो के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने कहा कि आदित्य एल1 अंतरिक्ष यान को इच्छित कक्षा में स्थापित किया गया है। मैं आदित्य एल1 को सही कक्षा में स्थापित करने के लिए पीएसएलवी को बधाई देना चाहता हूं। गौरतलब है, चंद्रयान-3 की सफलता के कुछ दिन बाद भारत ने शनिवार को अपने पहले सूर्य मिशन आदित्य एल-1 को प्रक्षेपित किया है।

पीएम मोदी ने दी बधाई– आदित्य-एल1 की सफलतापूर्वक लॉन्चिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर इसरो के वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई दी। पीएम मोदी ने ट्वीट कर कहा, चंद्रयान-3 की सफलता के बाद भारत ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा जारी रखी है। हमारे वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को बधाई। इसरो को भी भारत के पहले सौर मिशन आदित्य -एल1 के सफल प्रक्षेपण के लिए बधाई। संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए ब्रह्मांड की बेहतर समझ विकसित करने के लिए हमारे अथक वैज्ञानिक प्रयास जारी रहेंगे।

दो दिवसीय जकार्ता की यात्रा करेंगे पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के निमंत्रण पर 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और आसियान के वर्तमान अध्यक्ष के रूप में इंडोनेशिया द्वारा आयोजित 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। वे छह और सात सितंबर को जकार्ता, इंडोनेशिया की यात्रा करेंगे। आगामी आसियान-भारत शिखर सम्मेलन 2022 में भारत-आसियान संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के बाद पहला शिखर सम्मेलन होगा। शिखर सम्मेलन के दौरान भारत-आसियान संबंधों की प्रगति की समीक्षा होगी। यह सहयोग के भविष्य की दिशा तय करेगा। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो के निमंत्रण पर पीएम मोदी जकार्ता के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री मोदी की इंडोनेशिया यात्रा इस साल भारत की अध्यक्षता में 9-10 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है। इंडोनेशिया जी20 'ट्रोइका' का हिस्सा है और पिछले साल जी20 समूह की अध्यक्षता उसके पास थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि शिखर सम्मेलन भारत-आसियान संबंधों की प्रगति की समीक्षा करेगा और सहयोग की भविष्य की दिशा तय करेगा। एक बयान के अनुसार, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आसियान देशों के नेताओं और भारत सहित इसके आठ संवाद भागीदारों को क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

राजस्थान में मणिपुर जैसी घटना! नड्डा बोले- दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान को खुश करने में व्यस्त गहलोत

जयपुर। मणिपुर का मामला अभी ठंडा भी नहीं पड़ा था कि राजस्थान से एक रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है। यहां एक आदिवासी महिला को उसके ससुराल वालों ने सरेआम निर्वस्त्र कर पूरे गांव में घुमाया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। इस गंभीर मामले को लेकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक ट्वीट कर राज्य सरकार को घेरा। नड्डा ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि 'वह अपना बचा हुआ समय दिल्ली में एक राजवंश को खुश करने में व्यतीत कर रहे है। इसके कोई दो राय नहीं है कि राज्य में महिला सुरक्षा के मुद्दे को पूरी तरह से नजरअंदाज किया जा रहा है। आए दिन महिलाओं के खिलाफ उत्पीड़न की कोई न कोई घटना सामने आती रहती है। राजस्थान के प्रतापगढ़ का वीडियो चौंकाने वाला है। इससे भी बुरी बात यह है कि राजस्थान में शासन व्यवस्था पूरी तरह से नदारद है। राजस्थान के लोग राज्य सरकार को सबक सिखाएंगे।' प्रतापगढ़ जिले में आदिवासी महिला को कथित तौर पर पीटने और नग्न घुमाने के मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अमित कुमार ने जानकारी की पुष्टि की। आरोपियों में महिला का पति और दो अन्य लोग शामिल है। आरोपियों को अदालत में पेश किया जाएगा। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उमेश मिश्रा के मुताबिक, घटना गुरुवार (31 अगस्त) को प्रतापगढ़ जिले के धरियावद थाना क्षेत्र के पहाड़ा ग्राम पंचायत के निचलकोटा गांव में हुई। पीड़िता की एक साल पहले शादी हुई थी। आरोप है कि वह गांव में ही दूसरे व्यक्ति के साथ रहने लगी थी।

प्रतापगढ़ के डीजीपी उमेश मिश्रा ने घटना को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महिला के ससुराल वालों ने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया है। पहले महिला का अपहरण किया गया और फिर उसे अपने गांव में ले जाकर इस घटना को अंजाम दिया। ससुराल वाले इस बात से नाराज थे कि उनकी बहू किसी अन्य पुरुष के साथ रिश्ते में थी और दूसरे आदमी के साथ रह रही थी। महिला का अपहरण करने के बाद उसके पति ने पहले उसकी पिटाई की और उसे निर्वस्त्र कर गांव में करीब एक किलोमीटर तक घुमाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए राजस्थान पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस की 6 टीमें बनाई। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक्स पर पोस्ट किया था, 'एडीजी क्राइम को तुरंत अपराध स्थल पर भेजा गया और हमने पुलिस को आरोपियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सभ्य समाज में इसके लिए कोई जगह नहीं है। त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में भेजा जाएगा।

एनसीईआरटी को मिला विश्वविद्यालय का दर्जा, केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का एलान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की लंबे समय से चली आ रही मांग को केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पूरा करते हुए उसे मानद विश्वविद्यालय (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) का दर्जा प्रदान किया है। इसके साथ ही एनसीईआरटी अब अपनी की खुद डिग्री दे सकेगा। साथ ही शिक्षा क्षेत्र से जुड़ी मांग को देखते हुए नए कोर्स भी शुरू कर सकेगा। अभी इसके केंद्रों पर संचालित होने वाले कोर्स स्थानीय विश्वविद्यालयों की संबद्धता से संचालित किए जाते है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रधान ने यह एलान एनसीईआरटी के 63 वें स्थापना दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान किया। उन्होंने कहा कि इससे एनसीईआरटी शिक्षा के क्षेत्र में अपने शोध में और तेजी ला सकेगा। साथ ही दुनिया के दूसरे विश्वविद्यालयों के साथ शिक्षा क्षेत्र में आपसी सहयोग भी बढ़ा सकेगा। इस मौके पर उन्होंने केंद्रीय शैक्षिक एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीआइइटी) की नई सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आइसीटी) प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया। माना जा रहा है कि इसकी मदद से स्कूली बच्चों के लिए अध्ययन सामग्री को उनकी मातृभाषा में आसानी से तैयार किया जा सकेगा। इस दौरान उन्होंने एनसीईआरटी द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत फाउंडेशनल स्टेज के लिए तैयार की अध्ययन सामग्री को भी सराहा और कहा कि जादूई पिटारा के नाम से तैयार की गई यह सामग्री बच्चों के लिए काफी रुचिकर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्कूली शिक्षा के दूसरे चरणों के लिए तैयार होने वाला पाठ्यक्रम भी इतना ही रूचिकर होगा। इस पर स्कूली शिक्षा सचिव संजय कुमार ने नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्कूली पाठ्यक्रम को तैयार करने के एनसीईआरटी के प्रयासों की सराहना की और कहा कि एनसीईआरटी और अनुवादिनी जैसे सॉफ्टवेयर की मदद से सभी 22 भाषाओं में शैक्षिक सामग्री विकसित की जाएगी।

रामलला के दर्शन का बना रिकॉर्ड : सावन में 10 लाख भक्तों ने दरबार में लगाई हाजिरी, हर रोज हजारों लोग पहुंचे

अयोध्या। सावन मास में इस बार रामलला के दर्शन का रिकॉर्ड बना। इस सावन में मलमास के दुर्लभ संयोग के चलते सावन का माह 58 दिनों का रहा तो वहीं, भक्तों को आठ सोमवार मिले। सावन मास के 58 दिनों में करीब 10 लाख भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। दर्शनार्थियों की संख्या का नया कीर्तिमान बना। सावन मास का शुभारंभ चार जुलाई को हुआ था जबकि समापन 31 अगस्त को हुआ। इस हिसाब से 58 दिनों के दौरान औसतन करीब 20 हजार भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। सावन मास की प्रमुख तिथियों पर अन्य दिनों की अपेक्षा ज्यादा भीड़ रही। सावन के सोमवार, तृतीया, एकादशी व पूर्णिमा तिथि पर बड़ी संख्या में भक्तों ने रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। रामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक सत्येंद्र दास ने बताया कि वैसे तो रामलला के दरबार में हर रोज बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं लेकिन, सावन मास में भक्तों में अधिक उत्साह रहा। औसतन 20 हजार भक्तों ने रोज दर्शन किया, प्रमुख तिथियों पर यह संख्या दो से तीन गुना तक बढ़ गयी। इस अवसर पर श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से भक्तों के लिए निशुल्क

भोजन की भी व्यवस्था श्रीरामजन्मभूमि पथ पर की गयी थी। सत्येंद्र दास ने बताया कि भक्तों में राममंदिर निर्माण का साक्षी बनने की उत्सुकता भी नजर आ रही थी। बताया कि हर रोज शाम को रामलला के गर्भगृह में सांस्कृतिक आयोजनों ने भी आकर्षण बढ़ाया। सावन मेले में कई विशिष्ट हस्तियों ने भी अयोध्या पहुंचकर रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई थी।

केंद्र और राज्य सरकार को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश, प्रभावित इलाकों में करें मूलभूत वस्तुओं की आपूर्ति

नई दिल्ली। मणिपुर में लंबी जातीय हिंसा के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से कहा कि वह सीमावर्ती राज्य के आर्थिक नाकेबंदी के इलाकों में भी भोजन और दवाओं जैसी मूलभूत वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करें। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पादीर्वाला की खंडपीठ ने शुक्रवार को राज्य सरकार को यह भी निर्देशित किया कि नाकेबंदी की समस्या से निपटने के सभी विकल्पों पर विचार करें। इन घेराबंदियों से लोगों तक जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित होती है। कोर्ट ने कहा कि अगर जरूरी हो तो आश्वयक वस्तुओं की आपूर्ति हेलीकाप्टर या विमान से नीचे फेंकने के रूप में भी की जाए। खंडपीठ ने निर्देशित किया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर जगह-जगह नाकेबंदी के जरिये रास्ते जाम करने की घटनाओं को रोकने के पुख्ता इंतजाम करें। ऐसा करने से बड़ी तादाद में लोग जरूरी राहत से वंचित रह जाते हैं। कानून व्यवस्था देखने वाली एजेंसियों को देखना होगा अलगाववादी संगठन कहीं भी रास्तों को जाम नहीं करने पाएं। केंद्र सरकार और मणिपुर सरकार की ओर से पेश सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि सरकार की ओर से एक नोडल अधिकारी को नियुक्त किया है। ताकि वह अदालत की ओर से नियुक्त महिला जजों की समिति के राहत और पुनर्वास के कार्यों का क्रियान्यवयन कराएंगे। इस समिति में जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश गीता मित्तल, पूर्व जस्टिस शालिनी पी.जोशी और आशा मेनन शामिल हैं। खंडपीठ ने आदेश दिया कि इस संबंध में एक लिखित संदेश समिति की अध्यक्ष को 48 घंटों के अंदर उपलब्ध कराया जाएगा। बैठकों के संचालन की व्यवस्था में नोडल अधिकारी की भूमिका होगी। साथ ही समिति के सभी अन्य निदेर्शों का अनुपालन कराना होगा। अदालत ने अगली सुनवाई में बयान देने के लिए समिति की सौंपी छह रिपोर्टों के निदेर्शों का बुधवार तक मेहता को पालन कराना होगा। खंडपीठ ने कहा कि मणिपुर हिंसा को लेकर विभिन्न लोगों और सिविल सोसाइटी की दायर याचिकाओं पर छह सितंबर को सुनवाई शुरू करेगा।

सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए एएसआई ने मांगा 8 हफ्ते का वक्त, आठ सितंबर को होगी सुनवाई

वाराणसी। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने शनिवार को ज्ञानवापी परिसर के सर्वे और इसकी रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 8 सप्ताह का समय मांगा है। एएसआई के प्रार्थना पत्र पर आठ सितंबर को सुनवाई होगी। अब कोर्ट पर सभी की नगाहें हैं। क्या अदालत सर्वे रिपोर्ट पेश करने के लिए समयसीमा बढ़ाने का प्रार्थना पत्र स्वीकार करेगी, यह जानने को लेकर लोग उत्सुक हैं। एएसआई की तरफ से भारत सरकार के स्टैंडिंग काउंसिल अमित श्रीवास्तव ने वादिनी के अधिवक्ता सुभाष नंदन चतुर्वेदी और पैरोकार सोहनलाल आर्य के साथ एडीजे प्रथम संजीव सिन्हा की कोर्ट में आवेदन दाखिल किया। एक अधिवक्ता के निधन के कारण अदालत ने इस पर सुनवाई के लिए चार सितंबर की तिथि नियत की। जिला जज की अदालत ने सील वजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी परिसर का सर्वे करने और उसकी रिपोर्ट दो सितंबर तक जमा करने के आदेश दिए थे। एसएसआई की टीम चार अगस्त से ही सर्वे कर रही है। इसमें जीपीआर तकनीक का भी सहारा लिया गया है। ज्ञानवापी में सर्वे का काम जारी है, इसलिए रिपोर्ट आज अदालत में दाखिल किए जाने की उम्मीद कम ही थी।

ड्यूटी से लौट रहे पुलिसकर्मियों की कार सनावद में दुर्घटनाग्रस्त, 3 की मौत, दो गंभीर

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन में शनिवार तड़के दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें तीन पुलिसकर्मियों की मौके पर ही मौत हो गई। दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से घायल हैं। यह सभी शुक्रवार को खरगोन में निकले शिव डोले से ड्यूटी कर अपने निजी वाहन से सनावद लौट रहे थे। इस दौरान उनकी कार पेट्रोल पम्प के सामने खड़े डंपर से टकरा गई। गंभीर रूप से घायल दोनों पुलिसकर्मियों को इंदौर रैफर कर दिया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। खरगोन के सनावद थाना अंतर्गत ग्राम बडूद के एस्सार पेट्रोल पंप के पास शनिवार सुबह दर्दनाक हादसे में तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। खरगोन में शुक्रवार को निकले महाधिष्ठा सिद्धेश्वर महादेव के डोले से ड्यूटी कर तड़के करीब तीन बजे सभी पुलिसकर्मी अल्टो कार क्रमांक एमपी-10-CA 6548 से निकले थे। दुर्घटनाग्रस्त कार को एसआई विमल तिवारी चला रहे थे। उनके पास एसआई रमेश भास्कर, पीछे आरक्मषक नोज कुमावत, कोमल सिंह दांगोडे और रघुवीर रावत बैठे हुए थे। सुबह करीब 4:33 बजे बडूद के पास एस्सार पेट्रोल पंप के सामने खड़े राखड़ से भरे डंपर को पीछे से अल्टो कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि पांचों सवारो में से तीन की मौके पर ही मौत हो गई। दो गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के 20 मिनट बाद वहां से गुजर रहे एक दूध वाले ने घायलों को कार में फंसा देखा। बडूद से कुछ

लोगों को मदद के लिए बुलाया गया। करीब पांच बजे पेट्रोल पंप के मालिक को भी फोन लगाया और एंबुलेंस को सूचना दी गई। घायल और मृतकों को एंबुलेंस ने दो बार में सिविल अस्पताल पहुंचाया। घायलो को तत्काल मोरी अस्पताल ले गए, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें इंदौर के मेदांता अस्पताल भेज दिया गया। मृतकों में एसआई विमल कुमार तिवारी, एसआई रमेश भास्करे और आरक्षक मनोज कुमावत शामिल हैं। घायलों में कोमल सिंह दांगोडे और रघुवीर सिंह रावत का इलाज इंदौर में चल रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसपी धर्मवीर सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने रास्ते में दुर्घटनाग्रस्त कार का निरीक्षण भी किया। सिविल अस्पताल पहुंचे। एसपी ने मृतकों के शवों को देखा। पोस्टमॉर्टम के बाद अंतिम संस्कार की तैयारी के निर्देश दिए। सनावद थाना के टीआई निर्मल कुमार श्रीवास ने बताया कि मृतक विमल तिवारी इंदौर के रहने वाले थे। मृतक रमेश भास्करे बुरहानपुर एवं आरक्षक मनोज कुमावत सिमरोल (इंदौर) के रहने वाले थे। सड़क दुर्घटना में पुलिसकर्मियों की मौत पर प्रदेश के मंत्री कमल पटेल ने शोक जताया है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि इस भीषण सड़क हादसे में दो पुलिस उपनिरीक्षक एवं एक आरक्षक की मृत्यु का हृदय विदारक समाचार मिला। मन बहुत दुःखी हुआ। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल एक आरक्षक और एक होमगार्ड सैनिक को इलाज हेतु इंदौर रेफर किया गया है।

हमारा देश भारत है, 'INDIA' नाम का उपयोग बंद करना होगा : मोहन भागवत

गुवाहाटी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि देश के लिए इंडिया की जगह भारत नाम का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। उन्होंने लोगों से यह आदत डालने का आग्रह किया। कहा कि भारत नाम प्राचीन काल से चला आ रहा है और इसे आगे बढ़ाया जाना चाहिए। भागवत ने सकल जैन समाज के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, हमारे देश का नाम सदियों से भारत रहा है। भाषा कोई भी हो, नाम एक ही रहता है। हमारा देश भारत है। हमें इंडिया नाम का उपयोग बंद करना होगा और सभी व्यावहारिक क्षेत्रों में भारत का उपयोग करना होगा। तभी परिवर्तन आएगा। हमें अपने देश को भारत कहना होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। एकता की शक्ति पर जोर देते हुए भागवत ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जो सभी को एकजुट करता है। आज दुनिया को हमारी जरूरत है। हमारे बिना दुनिया नहीं चल सकती। हमने योग के माध्यम से दुनिया को जोड़ा है। उन्होंने दावा किया कि अंग्रेजों ने भारतीय शिक्षा प्रणाली को बदल दिया था। नई शिक्षा नीति बच्चों में देशभक्ति की भावना बढ़ाने का एक प्रयास है। उन्होंने अभिभावकों से अपने बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपरा और पारिवारिक मूल्यों से अवगत कराने का भी आग्रह किया।

संपादकीय

मणिपुर में सरकार और प्रशासन हिंसा और अराजकता को रोकने में पूरी तरह नाकाम

मणिपुर में हिंसा की ताजा घटनाओं में छह लोगों के मारे जाने और कई अन्य के घायल हो जाने से साफ है कि तमाम कवायदों के बावजूद सरकार वहां शांति स्थापित कर पाने में नाकाम है। वहां हिंसा शुरू हुए करीब चार महीने हो गए हैं और इस बीच पुलिस से लेकर सेना तक का सहारा लेकर टकराव में शामिल गुटों को काबू में करने की कोशिशें जारी हैं। मगर आज भी वहां जैसे हालात हैं, उसके मद्देनजर सरकार को कुछ ठोस कदम उठाने की जरूरत है। गौरतलब है कि मणिपुर में गुरुवार को चुराचांदपुर-बिष्णुपुर सीमा पर दो गुटों की गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई। चुराचांदपुर कुकी-जोमी बहुल इलाका है और बिष्णुपुर में ज्यादातर आबादी मैतेई समुदाय की है। ताजा संघर्ष में मारे गए लोगों में वहां के एक लोकप्रिय गीतकार की भी जान चली गई। मंगलवार से अब तक गोलीबारी में कुल नौ लोग मारे जा चुके हैं। इन घटनाओं के बाद एक रिवायत की तरह पुलिस की ओर से फिर यही कहा गया है कि हिंसाग्रस्त इलाकों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। सवाल है कि इतने लंबे संघर्ष और इसमें शामिल समूहों के चिह्नित होने के बावजूद सरकार और प्रशासन हिंसा और अराजकता को रोकने के मामले में क्यों लाचार दिख रही है! विडंबना है कि इस मसले पर उच्चतम न्यायालय सरकार को हिदायत दे चुका है कि वह हिंसा पर लगाम लगाने और शांति कायम करने के लिए ठोस कदम उठाए, जरूरी कार्रवाई करे। उसकी तरफ से गठित निगरानी समिति मणिपुर में काम शुरू कर चुकी है। मगर इससे अफसोसनाक और क्या होगा कि इसके बावजूद वहां के कई इलाके अब भी अशांत हैं। हालांकि राज्य सरकार स्थिति को नियंत्रण में कर लेने का भरोसा जता रही है, लेकिन पिछले कई महीने से जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, उससे साफ है कि हिंसा को रोक पाने में वहां की पुलिस व्यापक पैमाने पर नाकाम साबित हुई है। यह बेवजह नहीं है कि जिन इलाकों में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच टकराव अधिक था और उससे निपटना एक जटिल चुनौती थी, वहां हालात पर काबू पाने के लिए सेना को भी उतारा गया। पर ऐसा लगता है कि इस समस्या से उपजी चिंता गहराती जा रही है। गौरतलब है कि बीती मई की शुरूआत में मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति वर्ग में शामिल करने के मसले पर शुरू हुए विरोध के बाद हिंसा भड़क गई और उसका दायरा फैलता चला गया। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच संघर्ष में लगभग दो सौ लोगों की जान जा चुकी है और सैकड़ों घायल हुए हैं। इससे निपटने के लिए केंद्र सरकार की ओर से शांति समिति का भी गठन किया गया था। मगर अब भी दोनों समुदायों के बीच हिंसा को रोक पाना संभव क्यों नहीं हो सका है। दूसरी ओर, यह स्थिति भी पैदा हुई कि कुकी समुदाय की ओर से अपनी उपेक्षा को कारण बताते हुए स्वायत्त प्रशासन की मांग उठाई गई। सवाल है कि हिंसा शुरू होने के मूल कारणों पर गौर करना और उसे सुलझाने के लिए कोई रास्ता निकालना सरकार को क्यों जरूरी नहीं लग रहा है! फिलहाल सबसे प्राथमिक कदम यह होना चाहिए कि सरकार हिंसा और टकराव को रोकने के साथ ही इसमें शामिल सभी पक्षों से बातचीत का हर संभव कदम उठाए, क्योंकि समस्या चाहे जितनी भी जटिल हो, उसका समाधान आखिरी तौर पर संवाद से ही निकलेगा।

रहे ये बनता नाम!

है रचना इतिहास ।
हो रहा हर काम ।।
है यह स्वर्णिम काल ।
रहे ये बनता नाम ।।
गढ़ना कीर्तिमान है ।
मिल रहा सहयोग ।।
दिल से है प्रयास ।
बन रहा भी योग ।।
तरह तरह के रोज ।
करना नया प्रयोग ।।
है छलांग लगानी ।
ऐसा ही उपयोग ।।
दुनिया है टिकाए ।
नजरें इस प्रकार ।।
है ऐसा प्रतीत ।
बदला भी व्यवहार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

भविष्य के युद्धों की दशा-दिशा बदलने जा रहा है अमेरिका रोबोट लड़ाके छुड़ाएंगे रसिया-चाइना जैसे दुश्मनों के छक्के

नीरज कुमार दुबे

बदलते वैश्विक परिदृश्य में तकनीक की वजह से बड़े बदलाव आ रहे हैं। इन बदलावों के चलते ही माना जा रहा है कि भविष्य में होने वाले युद्ध पारम्परिक युद्धों की तरह मैदान में नहीं लड़े जाएंगे। इस संभावना को देखते हुए विभिन्न देश अपनी-अपनी रक्षा तैयारियों में आज और आने वाले भविष्य की जरूरत के हिसाब से बदलाव कर रहे हैं। साथ ही अब विश्व स्तर पर यह भी सोचा जा रहा है कि बड़ी सेना रखने की बजाय उसे छोटा और आधुनिक रखने पर जोर दिया जाये। इसके लिए अमेरिका ने जो कदम उठाया है उम्मीद है कि अन्य देश भी उस राह पर आगे बढ़ सकते हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिका की उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स ने एक अहम घोषणा के तहत कहा है कि उनके देश की सेना चीन की बढ़ती ताकत को देखते हुए अगले दो वर्षों में हजारों स्वायत्त हथियार प्रणालियों का उपयोग शुरू करने की योजना बना रही है। देखा जाये तो पिछले करीब एक दशक के आसपास विभिन्न स्तरों में स्वतंत्र संचालन के लिए सक्षम सैन्य प्रणालियाँ तेजी से सामान्य हुई हैं। लेकिन अमेरिकी घोषणा स्पष्ट करती है कि युद्ध का भविष्य बदल गया है और लड़ाके रोबोट का दौर आ गया है यानि एक पुराने विचार को अब हकीकत में बदलने का समय आ गया है।

हम आपको बता दें कि बीते दशक में, सैन्य उद्देश्यों के लिए उन्नत रोबोटिक प्रणालियों का खासा विकास हुआ है। इनमें से कई तो परिवर्तित वाणिज्यिक प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं, जो स्वयं अधिक सक्षम, सस्ती और व्यापक रूप से उपलब्ध हो गई हैं। हाल ही में, ध्यान इस बात पर प्रयोग करने पर केंद्रित हो गया है कि युद्ध में इनका सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जाए। इसके अलावा, रूस-यूक्रेन युद्ध ने दिखा दिया है कि युद्ध में भूमिका निभाने के लिए तकनीक तैयार है। रूस-यूक्रेन युद्ध में बख्तरबंद वाहनों और तोपखाने का पता लगाने और उन पर हमला करने के लिए रोबोट हवाई वाहन का व्यापक रूप से उपयोग किया गया है। यूक्रेनी नौसेना के हमलावर ड्रोनों ने रूस के काला सागर बेड़े को पंगु बना दिया है, जिससे उनके युद्धपोत बंदरगाह से आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इसलिए देखा जाये तो कभी सैन्य रोबोट के बारे में जो सोच विचार होता था, उन्हें तैनात करने का समय अब आ चुका है।

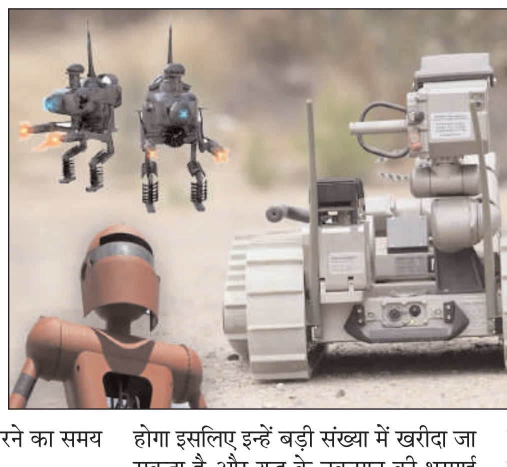

लेकिन सवाल उठता है कि यह कैसे, कब और कहां तैनात होंगे? इसका जवाब अमेरिका की उप रक्षा मंत्री कैथलीन हिक्स ने अपने भाषण में दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि नया रेप्लिकेटर प्रोग्राम अगले 18 से 24 महीनों के भीतर कई डोमेन में हजारों की संख्या में जिम्मेदार स्वायत्त प्रणालियों को पेश करेगा। स्वायत्त का अर्थ एक ऐसा रोबोट है जो मानव हस्तक्षेप के बिना जटिल सैन्य अभियानों को अंजाम दे सकता है। इसके अलावा एट्रिटेबल का अर्थ है कि यह रोबोट इतना सस्ता है कि उच्च प्राथमिकता वाले मिशन में इसे जोखिम में डालने तथा खोने का खतरा मोल लिया जा सकता है। ऐसा रोबोट पूरी तरह से अपघटीय (डिस्पोजेबल) होने के लिए डिजाइन नहीं किया गया है, लेकिन यह बहुत किफायती होगा इसलिए इन्हें बड़ी संख्या में खरीदा जा सकता है और युद्ध के नुकसान की भरपाई की जा सकती है। इसके अलावा, एक से अधिक डोमेन से तात्पर्य जमीन पर, समुद्र में, हवा में और अंतरिक्ष में रोबोट की तैनाती से है। संक्षेप में कहा जाए तो सभी प्रकार के कार्यों के लिए हर जगह रोबोट तैनात किए जा सकते हैं। रोबोट मिशन के बारे में और विस्तार से बात करें तो यह साफ दिखता है कि अमेरिकी सेना के लिए, रूस एक गंभीर खतरा तो है ही साथ ही चीन भी लगातार तेज होती चुनौती है। इसलिए अमेरिका की प्राथमिकता है कि चीन के खिलाफ अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत बनाया जाये। हम आपको बता दें कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी में अधिक लोग, अधिक टैंक, अधिक जहाज और अधिक मिसाइलें इत्यादि हैं। दूसरी ओर, अमेरिका के पास भले ही चीन से बेहतर गुणवत्ता वाले उपकरण हो सकते हैं, लेकिन चीन सैनिकों और रक्षा उपकरणों की संख्या के मामले में बाजी मार ले जाता है। इसलिए रेप्लिकेटर प्रोग्राम अब हजारों एट्रिटेबल ऑटोनॉमस सिस्टम का त्वरित निर्माण कर, अमेरिका को भविष्य के संभावित युद्ध जीतने में मदद करेगा। इसके अलावा, अमेरिका का मानना है कि चीन का ताइवान को लेकर जो रुख है उससे तनाव के संघर्ष में तब्दील होने की आशंका है। ऐसे में रोबोट किसी भी बड़े चीनी आक्रमण को बेदम करने में अमेरिका के लिए निर्णायक हो सकते हैं। इसके अलावा अमेरिका और आगे की बात सोच रहा है। दरअसल रेप्लिकेटर अभियान का लक्ष्य लंबी अवधि के लिए रोबोट का बड़े पैमाने पर उत्पादन कर एक नया रक्षा व्यवसाय खड़ा करना भी है।

जहां तक अमेरिका के इस नये और बड़े कदम की बात है तो यह स्पष्ट है कि यदि अमेरिका इस राह पर आगे बढ़ता है तो वह बड़ी संख्या में स्वायत्त प्रणालियां तैनात करने वाला पहला देश हो सकता है। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि अन्य देश उससे बहुत पीछे होंगे। माना जाता है कि चीन भी लड़ाई लड़ने वाले रोबोट बना रहा है। इसलिए चीन को कम नहीं आंका जा सकता, क्योंकि उसके पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता और लड़ाकू ड्रोन उत्पादन में महारत है। हम आपको यह भी बता दें कि स्वायत्त सैन्य ड्रोन की अधिकतर तकनीक व्यापक रूप से उपलब्ध है। लीबिया और इजराइल तथा कुछ अन्य देशों द्वारा स्वायत्त हथियार प्रणालियां तैनात किए जाने की खबरें भी हाल में सामने आई हैं। यही नहीं, तुर्की निर्मित ड्रोन यूक्रेन युद्ध में महत्वपूर्ण साबित हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया भी स्वायत्त हथियारों की संभावनाओं में गहरी दिलचस्पी रखता है। ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल आज एमक्यू-28 घोस्टबैट स्वायत्त फास्ट जेट एयर वाहन, रोबोट प्रणाली वाले बख्तरबंद वाहन, रोबोट लॉजिस्टिक ट्रक और रोबोट पनडुब्बियों का निर्माण कर रहा है। वह तिमोर सागर में समुद्री सीमा निगरानी के लिए ब्लूबॉटल रोबोट सेलबोट का उपयोग कर रहा है। एक ऑस्ट्रेलियाई कंपनी एसवाईपीएक्यू यूक्रेन के लिए अपने कई सस्ते, कार्डबोर्ड से बने ड्रोन भेज रही है। बहरहाल, अमेरकी उप रक्षा मंत्री के ऐलान के बाद इस बारे में चचाएं चल रही हैं कि क्या एक नई बहादुर सेना का निर्माण हो रहा है। साथ ही इस बारे में चचाओं के दौरान कुछ चिंताएं भी उभर कर आई हैं।

चंद्रयान-3 की सफलता से पश्चिमी देशों का चिढ़ना दर्शाता है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है

प्रह्लाद सबनानी

अंततः भारत चल पड़ा है विश्व गुरु बनने की राह पर। परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ विघनसंतोषी जीवों को शायद यह रास नहीं आ रहा है क्योंकि भारत, ब्रिटेन का कभी औपनिवेशिक देश रहा है और इन देशों की नजर में यह कैसे हो सकता है कि ब्रिटेन के चन्द्रमा पर पहुंचने के पूर्व ही उनका एक पूर्व औपनिवेशक देश अपना चन्द्रयान-3 सफलता पूर्वक चन्द्रमा पर उतार ले। भारत, पूरे विश्व में, पहला देश है जिसने चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सलतापूर्वक उतार लिया है। अन्यथा, विश्व का कोई भी देश, अमेरिका, रूस एवं चीन सहित, अभी तक चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर अपना यान उतारने में सफल नहीं हो सका है। निश्चित ही भारत की यह सफलता न केवल भारत के लिए बल्कि विश्व के समस्त देशों के लिए गर्व का विश्व होना चाहिए। यदि चन्द्रयान-3 अपने उद्देश्यों में सफल हो जाता है तो यह विश्व की भी उपलब्धि होगी। चन्द्रमा पर पानी उपलब्ध है अथवा नहीं, चन्द्रमा पर किस प्रकार के खनिज पदार्थ (सोना, प्लेटिनम, टाइटेनियम, यूरेनियम, आदि), रासायनिक पदार्थ, प्राकृतिक तत्व, मिट्टी एवं अन्य तत्व पाए जाते हैं, आदि का पता लगने पर क्या इस जानकारी का लाभ केवल भारत को ही होने जा रहा है अथवा क्या विश्व के अन्य देश भी इस जानकारी का लाभ उठा सकने की स्थिति में नहीं होंगे? परंतु, पश्चिमी देशों में कुछ तत्व भारत की इस महान उपलब्धि को सकारात्मक दृष्टि से न देखते हुए इस संदर्भ में अपनी नकारात्मक सोच को आगे बढ़ाते हुए दिखाई दे रहे है और सम्भव है कि भारत के प्रति उनकी यह नकारात्मक सोच इन देशों के लिए भविष्य में हानिकारक सिद्ध हो।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक कार्टून छापा है जिसमें बताया गया है कि विशिष्ट वर्ग के दो नागरिक एक कक्ष (कैबिन) में बैठे हैं एवं इनमें से एक संभ्रांत व्यक्ति एक अखबार में भारत के मंगल मिशन के सम्बंध में जानकारी पढ़ रहा है। इस कक्ष के बाहर भारतीय गरीब किसान के रूप में एक गाय को लेकर एक व्यक्ति दरवाजे के बाहर खड़ा है, जो दरवाजे पर दस्तक देता हुआ दिखाई दे रहा है। इस कार्टून से ऐसा महसूस कराए जाने का प्रयास किया जाना प्रतीत हो रहा है कि जैसे एक गरीब भारत देश, पश्चिमी देशों से अपने मंगल मिशन के लिए सहायता मांग रहा हो। संभवतः भारत के चन्द्रयान-3 की सफलता को पश्चिमी देशों में कुछ तत्व पचा नहीं पा रहे हैं। एक ब्रिटिश पत्रकार पेट्रिक क्रिस्टी ने भारत को चन्द्रयान-3 को चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर सफलता पूर्वक उतारे जाने की बधाई देते हुए यह मांग की है कि ब्रिटेन द्वारा भारत को उपलब्ध कराई जा रही आर्थिक सहायता राशि को वापस लिया जाना चाहिए क्योंकि उसके अनुसार चूंकि भारत की आधी आबादी गरीबी का जीवन जी रही है अतः ब्रिटेन द्वारा भारत को दी जा रही आर्थिक सहायता राशि का उपयोग भारत में गरीबी मिटाने के उद्देश्य से न किया जाकर अंतरिक्ष में अपने चन्द्रयान भेजने के लिए किया जा रहा है। इस ब्रिटिश पत्रकार का दावा है कि ब्रिटेन द्वारा भारत को वर्ष 2016 से वर्ष 2021 के बीच 230 करोड़ ब्रिटिश पाउंड की राशि आर्थिक सहायता के रूप में उपलब्ध कराई गई है। उक्त पत्रकार का यह भी कहना है कि यदि भारत अपने राकेट को अंतरिक्ष में भेज रहा है तो भारत को ब्रिटेन के पास कटोरा लेकर मदद के लिए नहीं आना चाहिए। जबकि इस संदर्भ में वास्तविकता यह है कि भारत कभी भी ब्रिटेन के पास आर्थिक सहायता मांगने के लिए गया ही नहीं है। इस संदर्भ में ब्रिटेन द्वारा सरकारी तौर पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ब्रिटेन ने भारत को किसी भी प्रकार की वित्तीय सहायता उपलब्ध नहीं कराई है परंतु ब्रिटेन ने वर्ष 2015 के बाद से भारत में व्यवसाय को बढ़ावा देने के उद्देश्य से निवेश जरूर किया है ताकि भारत के बाजार में ब्रिटेन का योगदान बढ़ सके एवं ब्रिटेन के नागरिकों के लिए रोजगार के अवसर निर्मित हो सकें।

यह भी एक वास्तविकता है कि भारत आज विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इस संदर्भ में हाल ही में भारत ने ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए अपनी अर्थव्यवस्था को आकार में ब्रिटेन से भी बड़ी अर्थव्यवस्था बना लिया है। परंतु, कुछ ब्रिटिश राजनीतिज्ञ एवं पत्रकार इस तथ्य को स्वीकार ही नहीं कर पा रहे हैं और वे अपनी साम्राज्यवादी सोच से भी बाहर नहीं आ पा रहे हैं। ऐसे तत्व आज भी भारत को अपनी एक कालोनी (उपनिवेश) के रूप में ही देख रहे हैं और सोच रहे हैं कि भारत कैसे ब्रिटेन से पहले चन्द्रमा पर पहुंच सकता है। जबकि आज वस्तुस्थिति यह है कि ब्रिटेन की आर्थिक हालत इतनी अधिक खराब हो गई है कि ब्रिटेन के नागरिकों को अपने बिजली के बिल का भुगतान करने के लिए भी ऋण लेना पड़ रहा है। पश्चिमी देशों को अब यह समझना होगा कि यह 21वीं सदी है एवं वैश्विक पटल पर भारत अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए आगे बढ़ चुका है। यह पश्चिमी देशों के हित में ही होगा कि वे भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनें एवं अपने आर्थिक हितों को भी बल प्रदान करें, इस बात को जितनी जल्दी समझें उनके लिए उतना ही अच्छा है क्योंकि अन्यथा वे स्वयं के आर्थिक हितों को नुक्सान ही पहुंचा रहे होंगे। क्या ब्रिटेन इस बात को भूल गया है कि औपनिवेशक खंडकाल में उसने भारत पर शासन के दौरान वर्ष 1765 से लेकर वर्ष 1938 तक भारत से 45 लाख करोड़ पाउंड की लूट की है (यह तथ्य एक अध्ययन प्रतिवेदन में सामने आया है), हो सकता है यह राशि और भी अधिक रही हो। परंतु, उक्त राशि भी ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का 15 गुणा है। उक्त राशि को ब्रिटेन द्वारा भारत को लौटाए जाने पर भी विचार किया जाना चाहिए। ब्रिटेन द्वारा भारत में की गई भारी लूट के बावजूद भारत एक बार पुनः अब अपने पैरों पर खड़ा हो चुका है एवं भारत को अपने मिशन चन्द्रमा ग्रह, मिशन मंगल ग्रह एवं मिशन सूर्य ग्रह पर पश्चिमी देशों के दर्शन की आवश्यकता नहीं है। भारत को वैसे भी अब अंतरिक्ष के क्षेत्र में नित नयी सफलता की कहानियां गढ़ने की आदत पड़ चुकी है, और फिर चन्द्रमा के दक्षिणी पोल पर चन्द्रयान-3 को सफलता पूर्वक उतारना तो एक शुरूआत भर है। भारत का मिशन चन्द्रयान-3 तुलनात्मक रूप से बहुत किफायती रहा है। इस पूरे मिशन पर केवल लगभग 615 करोड़ रुपए की लागत आई है, जबकि अन्य देशों यथा अमेरिका, रूस एवं चीन की इस तरह के मिशनों पर हजारों करोड़ रुपए की लागत आती रही है।

छात्रों में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति चिन्ताजनक, सरकार को इस समस्या पर तत्काल ध्यान देना होगा

ललित गर्ग

नया भारत-सशक्त भारत बनाने की बात हो रही है, नई शिक्षा नीति-2020 को प्रभावी तरीके से लागू किया जा रहा, शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करते हुए उस पर सर्वाधिक ध्यान दिया जा रहा है। लेकिन इन सब प्रयत्नों के बावजूद चिंता की बात यह है कि पूरे देश में खुदकुशी करने वाले छात्रों की संख्या बढ़ रही है। साल 2020 में 12500 से अधिक, तो 2021 में 13,000 छात्रों ने आत्महत्या की। ये आंकड़े नैशनल क्राइम रेकॉर्ड ब्यूरो के हैं। कोटा में इसी रविवार को दो और छात्रों ने खुदकुशी कर ली। इसके साथ इस साल कोटा में आत्महत्या करने वाले छात्रों की संख्या 23 हो गई है, जो बहुत ही गंभीर मसला है। राजस्थान की इस शिक्षा नगरी में दो महीनों में 9 छात्रों ने सुसाइड कर चुके हैं। यहां लगातार छात्र आत्महत्या कर रहे हैं, इसके पीछे सरकार, प्रशासन या कोचिंग इंस्टिट्यूट की लापरवाही है या कुछ और? सुसाइड हब बन रहे कोटा के इस स्याह पक्ष को लेकर अब इस आपदा का हल तो ढूंढ़ना होगा। ऐसा नहीं है कि महामारी बनती इस समस्या के कारण हमें नहीं पता।

आजादी के अमृतकाल को सार्थक करने में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारा जा रहा है, कहा भी जा रहा है कि शिक्षा ही एक ऐसा हथियार भी है जिससे इंसान न केवल खुद को, बल्कि समाज, राष्ट्र एवं दुनिया को भी बदल सकता है। फिर शिक्षा के आसपास ऐसी कौन-सी विसंगतियां एवं विडम्बना है कि छात्रों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। सब जानते हैं कि शिक्षा के व्यवसाय बनने से उसमें अनेक कुचेष्टाएं प्रवेश कर रही हैं, छात्रों से अच्छे परीक्षा परिणाम देने का दबाव बनाया जा रहा है, अधिक प्रतिस्पर्धा एवं होड ने छात्रों पर प्रेशर बनाया है, इसके साथ ही किस तरह से पैरेंट्स अपने सपने बच्चों पर थोपते हैं। उन्हें आईआईटी, एनआईटी या मेडिकल में ही बच्चों का सुनहरा भविष्य दिखता है, जिसे साकार करने के लिए कई अभिभावक कर्ज भी लेते हैं। मां-बाप के सपनों से दबा स्टूडेंट जब कोचिंग संस्थानों में पहुंचता है तो उस पर तैयारी और टेस्ट का प्रेशर डाला जाता है और यह कह कर भी डराया जाता है कि जेइइ या एनइइटी दुनिया की सबसे मुश्किल परीक्षाएं हैं। किसी भी देश की शिक्षा व्यवस्था की कामयाबी इसमें है कि शुरूआती से लेकर उच्च स्तर तक की शिक्षा हासिल करने के मामले में गलाकाट प्रतिस्पर्धा एवं जटिलता की बजाय सहजता हो। अगर किसी वजह से पढ़ाई करने या उसमें सफलता हासिल करने में किसी विद्यार्थी के सामने अड़चनें आ रही हों तो उसे दूर करने के उपाय किये जाएं। लेकिन बीते कई दशकों से यह सवाल लगातार बना हुआ है कि एक बड़ी तादाद में विद्यार्थी स्कूल-कॉलेजों में बीच में ही पढ़ाई छोड़ देते हैं और अपने

अभिभावकों से नजरें ना मिला पाने के डर से आत्महत्या कर लेने हैं। इस मसले पर सरकार से लेकर शिक्षा पर काम करने वाले संगठनों की अध्ययन रपटों में अनेक बार इस चिंता को रेखांकित किया गया है, लेकिन अब तक इसका कोई सार्थक हल सामने नहीं आ सका है। प्रशासन से लेकर कोचिंग इंस्टीट्यूट के संचालक तक किसी के पास इसका जवाब नहीं है कि आखिरकार यहां सुसाइड के मामलों में लगातार इजाफा क्यों हो रहे हैं। छात्रों के द्वारा अगर लगातार ऐसे कदम उठाए जा रहे हैं तो साइकोलॉजिकल काउंसलिंग क्यों नहीं कराई जा रही है। इस संबंध कोचिंग संस्थान और प्रशासन की तरफ से कोई पहल क्यों नहीं की जा रही है?

जहन में एक ही सवाल बार-बार उठता है कि आखिर बच्चों पर प्रेशर बनाता कौन है? कोचिंग इंस्टीट्यूट की तरफ से पढ़ाई का दबाव रहता है या फैमिली प्रेशर से या फिर मनचाहे परीक्षा परिणाम नहीं मिलने पर छात्र इस कदर दबाव में आ जाते हैं कि सुसाइड जैसे कदम उठा लेते हैं। कुछ छात्र तो अपने सपनों को पूरा करने के लिए इतने प्रेशर में आ जाते हैं कि रिजल्ट आने से पहले ही आत्महत्या जैसा कठोर, त्रासद एवं खौफनाक कदम उठा लेते हैं। पुणे स्थित कंसल्टेंसी फर्म इनफिनियम ग्लोबल रिसर्च का अनुमान है कि इस साल के आखिर तक कोचिंग इंडस्ट्री का कारोबार 58,000 करोड़ रुपये से भी ज्यादा होगा। यानी कोचिंग संस्थान समृद्ध एवं शक्तिशाली है कि वे चाहें तो बच्चों की मेंटल हेल्थ सुधारने के लिए पहल कर सकते हैं। वे ऐसे छात्रों की मॉनिटरिंग भी कर सकते हैं, जिनका टेस्ट स्कोर कम हो और जो अक्सर क्लास से गायब रहते हों। ऐसा भी नहीं है कि कोटा के कोचिंग संस्थानों की ओर से इस तरह की पहल नहीं हुई है, लेकिन स्पष्ट है कि ये नाकाफी साबित हो रहे हैं। विडम्बना तो यह है कि आत्महत्या की बढ़ती घटनाएं केवल कोचिंग संस्थानों में ही नहीं हो रही है बल्कि आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम व केन्द्रीय विश्वविद्यालय और इनके जैसे स्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्र भी आत्महत्या कर रहे हैं। बड़ा प्रश्न है कि उच्च नागरिक बनाने की बजाय ये संस्थान छात्रों को आत्महंता बना रहे हैं तो उनके ऊपर एक काला बदनुमा दाग होने के साथ बड़ा सवाल भी खड़ा है कि ऐसे संस्थानों में क्या पढ़ाई का स्तर व माहौल उचित नहीं है? सरकार और देश के शिक्षाविदों को इस तथ्य को लेकर भी चिंता करनी ही होगी कि बीते पांच साल में इन उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेने वाले 92 विद्यार्थियों ने पढ़ाई के बीच में ही आत्महत्या क्यों कर ली? ऐसे ही आईआईटी बुम्बई के फर्स्ट ईयर के छात्र दर्शन सोलंकी ने पिछले दिनों खुदकुशी कर ली। इसके बाद वहां के छात्रों से अधिकारिक तौर पर कहा गया है कि छात्र एक दूसरे से जी (एडवांस) रैंक या गेट स्कोर के बारे में पूछताछ न करें। न ही ऐसा कोई सवाल करें जिससे छात्र की जाति, अमीरी-गरीबी और उससे जुड़े पहलू उजागर होते हो। इस तरह की गाइडलाइन की जरूरत केवल आईआईटी मुम्बई को ही नहीं, सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को एवं कोटा के कोचिंग संस्थानों को भी हैं। हालांकि बच्चों को मनोवैज्ञानिक दबाव से बाहर निकालने के लिए कोटा प्रशासन ने तकरीबन साल भर पहले एक गाइडलाइन जारी की थी, जिसे एक भी कोचिंग संस्थान ने पूरी तरह फॉलो नहीं किया है, प्रश्न है कि प्रशासन ने उनके खिलाफ क्या कदम उठाये? सवाल तो यह भी है कि क्या ऐसे सांकेतिक कदमों से आत्महत्या की बढ़ती संख्या जैसी गंभीर समस्याओं को हल किया जा सकता है।

सीडीओ तथा पुलिस अधीक्षक ने सैदपुर सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी फरियाद

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जन समस्याओ के त्वरित निस्तारण हेतु सम्पूर्ण समाधान दिवस तहसील सैदपुर में मुख्य विकास अधिकारी संतोष कुमार वैश्य की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह की उपस्थिती में सम्पन्न हुआ। जिसमे 52 प्रार्थना प्राप्त हुए और मौके पर 08 का निस्तारण किया गया। जनसमस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु सातो तहसीलो की सूचना के अनुसार सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 346 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके पर 27 प्रार्थना पत्रों का निस्तारण किया गया। इसी क्रम में तहसील कासिमाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 62 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें 05 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जमानियॉ में अपर जिलाधिकारी भू राजस्व की अध्यक्षता में 42 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 एवं उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 48 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें मौके 03 का निस्तारण किया गया। तहसील मुहमम्दाबाद में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 56 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सेवराई में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 33 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमें से मौके पर 03 का निस्तारण किया गया एवं तहसील जखनियां में उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता में 53 प्रार्थना प्राप्त हुए जिसमे 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रो का सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि अविलम्ब मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करते हुए निस्तारण करायी जाय। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सैदपुर, तहसीलदार सैदपुर एवं समस्त जनपदस्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कजली महोत्सव का हुआ आयोजन

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। नगर के सत्यानगंज मोहल्ले में स्थित श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी रतजग्गा के उपलक्ष्य में भगवान श्री बांके बिहारी जी का किया गया भव्य श्रृंगार पर आयोजित किया गया भव्य कजली महोत्सव कार्यक्रम जिसमें सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नायब तहसीलदार चुनार संजय सिंह ने भगवान बांके बिहारी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर दिप प्रज्वलन किया जिसके बाद मुख्य अतिथि का सम्मान कर विग्रह भेंट किया गया कजली महोत्सव को शासन द्वारा लागू कराने के लिए मंदिर पुजारी अमरेश चन्द्र पाण्डेय ने दिया पत्रक जिसके बाद खशबू ने मां सरस्वती वंदना से किया कजली का शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रतिभागियों ने किया प्रतिभाग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिव पूजन चौहान द्वितीय स्थान अवधेश कुमार, तृतीय स्थान राम जनम भारतीय को दिया गया कजली महोत्सव कार्यक्रम में गायिका शानिया मैशुर ने बिखेरा कजली का जादू हमरा घरे अइह जरूर हो हुजुर मत दुर रहिह हमसे तो वहीं साहिल अली , समस्याओं पर कजली गया अवनीश दुबे,तीन लोक में सुंदर काशी मोहित लाल गरिमा यादव, कोमल पुजारी, गरिमा यादव, कुल सत्ताइस कलाकारों में से उन्निस कलाकारों ने किया प्रतिभाग इस अवसर पर कार्यक्रम का अध्यक्षता कर रहे ज्योतिष पं चन्द्रमौली त्रिपाठी समिति केपारसनाथ केशरी, अमरेश चन्द्र पाण्डेय, निणार्यक राजेन्द्र प्रसाद,, सगींत शिक्षक सालिकराम जयसवाल, रहे कार्यक्रम का संचालन राजकुमार प्रजापति ने किया इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार आत्मा त्रिपाठी मिठाई लाल, दिनेश सिंह आशीष पाण्डेय सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

तहसीलदार को हटाने के लिए जिलाधिकारी को दिया पत्रक

प्रखर पिण्डरा वाराणसी। पिंडरा तहसील पर सम्पूर्ण समाधान दिवस पर पहुचे डीएम को अधिवक्ताओ ने तहसीलदार के ऊपर तहसील में उपलब्ध न रहने और वादों के निस्तारण न करने का आरोप लगाते हुए पत्रक दिया और हटाने की मांग की।डीएम के समक्ष तहसील पिंडरा के अधिवक्ताओ ने आरोप लगाया कि तहसीलदार द्वारा मुकदमों का निस्तारण गुण दोष के आधार पर नही किया जाता है। अविवादित वादो का निस्तारण भी समय सीमा के अंदर नही किया जाता तथा समस्याओ के निदान के लिए तहसील परिसर में उपलब्ध नही रहते है। तहसीलदार के नकारात्मक रवैये से अधिवक्ताओ व वादकारियो को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।जिसको लेकर नाराज अधिवक्ताओ ने जिलाधिकारी से तहसीलदार के स्थानान्तरण की मांग की। इस दौरान तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश पटेल, महामंत्री श्याम मोहन उपाध्याय, शिवपूजन सिंह,अशोक पाण्डेय, आनन्द मिश्र, अश्वनी सिंह, गौरीश नारायण सिंह, रामभरत यादव, रविशंकर यादव, श्याम सिंह, अरूण यादव, राकेश गोड़, विन्दु सोनकर व गीता देवी समेत तमाम अधिवक्ता मौजूद रहे।

मंडलायुक्त की अध्यक्षता में काशी सांसद खेल प्रतियोगिता की तैयारियों हेतु बैठक

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा की अध्यक्षता में कमिश्नरी सभागार में खेलो बनारस हेतु बैठक आयोजित हुई जिसमें उन्होंने शहर में स्थित विभिन्न खेल एसोसिएशन के पदाधिकारियों से इसमें सहयोग की अपेक्षा की तथा इस संबंध में उनसे उचित सलाह भी देने को कहा गया` मंडलायुक्त ने बनारस लोकसभा के सभी विद्यालयों को इसमें शामिल करने को कहा मंडलायुक्त ने खेलों हेतु वेन्यू फाइनल करने तथा उनकी उचित साफ-सफाई, रंगाई-पुताई करने को भी कहा` मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल ने बताया कि सांसद खेलो प्रतियोगिता के अंतर्गत इस बार विभिन्न 26 खेलों का आयोजन होना है जिसका पंजीकरण 15 सितंबर से शुरू होकर 30 सितम्बर तक चलेगा तथा खेलों का आयोजन 15 अक्तूबर से प्रस्तावित है` प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम स्तर से शुरू होकर विकास खंड से होते हुए जिले स्तर पर आयोजित होगा जिसमें बनारस लोकसभा के अंतर्गत तीनों विकास खण्ड सेवापुरी, काशी विद्यापीठ, आराजीलाइन तथा शहरी क्षेत्र के पांचो जोन को शामिल किया गया है प्रतियोगिताओं में इस बार सीनियर सिटीजन हेतु अलग से केटेगरी बनायी गयी है जिसमें उनके लिए मैराथन, योग जैसी प्रतियोगिताओं को लिया गया है सभी पंजीकृत उम्मीदवारों को सर्टिफिकेट तथा जीतने वाले प्रतिभागियों हेतु उचित इनाम राशि की व्यवस्था की गयी है विभिन्न आयु वर्ग में अंडर-11, 11 से 14, 14 से 18 तथा सीनियर सिटीजन हेतु केटेगरी निर्धारित है बैठक में क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी आर पी सिंह समेत विभिन्न खेल एसोसिएशन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लाइन हाजिर हुए मरदह थानाध्यक्ष, सुरेन्द्र नाथ सिंह को मिली तैनाती

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। कानून व्यवस्था को जनहित में चुस्त दुरुस्त रखने के दृष्टिगत गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने मरदह थानाध्यक्ष को लाईन हाजिर कर दिया है । जनकारी के अनुसार पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह ने मरदह थानाध्यक्ष राजेश कुमार मौर्य को शुक्रवार की देर रात लाइन हाजिर कर दिया और उन्होंने अतिरिक्त निरीक्षक कोतवाली सुरेंद्रनाथ सिंह को मरदह का थानाध्यक्ष बना दिया है । यह कार्यवाही किन कारणों से हुई है यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो सका है , जबकि यह मात्र पूरे जनपद में एक हीं थानाध्यक्ष पर यह कार्यवाही हुई है । इस कार्यवाही से जहां पूरे विभाग में हड़कंप सा मच गया है वहीं पूरे थाना क्षेत्र में यह बात चर्चा का विषय बना हुआ है । बता दे की शनिवार को अतिरिक्त निरीक्षक कोतवाली सुरेंद्रनाथ सिंह ने मरदह थानाध्यक्ष का कार्यभार ग्रहण कर लिया है ।

धूमधाम से हुई मां काली की वार्षिक पूजा

रतसर (बलिया)। स्थानीय कस्बा क्षेत्र के जनऊपुर गांव में मां काली का वार्षिक पूजनोत्सव वृहस्पतिवार को संपन्न हुआ। परम्परागत तरीके से हुई इस पूजा में गांव के सभी वर्ग के लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।अहले सुबह से ही मंदिर को धोकर साफ किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला शुरू हुआ। जो दोपहर बाद तक जारी रहा। मां काली की वार्षिक पूजा में महिलाओं ने अपने-अपने घरों में पकवान बना उसका प्रसाद चढ़ाया। आचार्य ओमप्रकाश तिवारी द्वारा वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ मां काली की पूजा को परम्परागत ढंग से सम्पन्न कराया गया। इस मौके पर मां काली का विशेष पूजन तथा हवन किया गया।

रक्षाबंधन पर्व पर किन्नर सपना ने गरीबों को कराया भोजन व महिलाओं को बांटा साड़ियां

रसड़ा बलिया। स्थानीय नगर के मंदा मोड़ स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में गुरुवार की रात्रि रक्षाबंधन पर्व पर एक किन्नर ने सैकड़ों लोगों को भंडाऱा कराकर गरीब विधवा असहाय महिलाओं को साड़ी वितरित किया। इस आयोजन के माध्यम से किन्नर समाज लोगों के बीच समाज में अपना एक अलग पहचान बनाना चाहता है। छितौनी निवासी किन्नर सपना ने महिलाओं को साड़ी वितरित कर कहा की मैं बधाई आदि गीत गायन के जरिए जो जजमान से पैसा लेती हूं या पाती हूं उस पैसों को गरीबों में दान करती रहती हूं। इसी क्रम में किन्नर सपना ने कहा कि गरीबों को मदद करने में मुझे काफी सकून मिलता है। बताया जाता है कि इसके पूर्व में भी ये छितौनी गांव में एक गरीब मुसलमान की लड़की का शादी करा चुकी हैं तथा छठ पूजा पर्व पर भी गरीब महिलाओं को साड़ी वितरित कर चुकी हैं। लगभग आठ सालों से समाज सेवा में लगी किन्नर सपना का हर वर्ष एक गरीब लड़की का शादी कराने का लक्ष्य है। इस मौके पर मकसुद आलम, पुष्पा, अंजली, रानी, अभिषेक तिवारी चंचल, विवेक सिंह, लखन, रंजीत सिंह, रवि कुमार, गुड्डू, प्रवीण कुमार आदि उपस्थित रहे।

दुल्लहपुर पुलिस ने किया 11 वारंटियों को गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। पुलिस अधीक्षक गाजीपुर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक नगर के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी भुड़कुड़ा के मार्गदर्शन में थाना स्थानीय पर एनबीडब्लू वांछित की तलाश के क्रम में शनिवार को वांछित गैर जमानती वारण्टीयो की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान मे थाना दुल्लहपुर पुलिस के द्वारा धारा 147, 323, 504, 506, 427, 452 भादवि0 से सम्बन्धित 11 नफर वारंटी को गिरफ्तार कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही सम्बन्धित थाने द्वारा की जा रही है। गिरफ्तार किये गये गैर जमानती बारण्ट अभियुक्तों में रमेश पुत्र नान्हू निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, अवधेश राम पुत्र दिपचन्द्र निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, कमलेश पुत्र जदबिहारी निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, गोविन्द राम पुत्र सन्तु निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, हरिलाल पुत्र विक्रमा निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, सुभाष राम पुत्र जगधारी निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, राजेन्द्र राम पुत्र सुकालू राम निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, अशोक कुमार पुत्र मीता कुमार निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, रामवकश पुत्र शिवचन निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर,लालू पुत्र बटोर निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद गाजीपुर, मुनिब राम पुत्र रुपचन्द्र राम निवासी हृदयपुर थाना दुल्लहपुर जनपद रहे। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक जयदीप, कांस्टेबल शिवा कुमार, कांस्टेबल अजय कुमार, कांस्टेबल विनोद भारती शामिल रहे।

कुपोषण के लिए सहजन उपयुक्त पोषाहार, 4127 आंगनवाड़ी केंद्रों पर रोपा जाएगा सहजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वर्ष 2018 के सितंबर माह से पोषण मिशन की कामयाबी को देखते हुए भारत सरकार ने एक बार फिर से सितंबर माह को पोषण माह के रूप में मना रही है। इसको लेकर पूरे माह का कैलेंडर भी जारी किया जा चुका है और कैलेंडर के अनुसार बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग 6 अन्य विभागों के साथ पोषण के कार्यक्रम को अंजाम दे रहा है। शासन के द्वारा चल रही योजनाओं के माध्यम से पुष्टाहार व अन्य हरी साग सब्जियाँ देकर कुपोषण को दूर करने में लगा हुआ है। वहीं सहजन का पौधा भी कुपोषण को दूर भगाने में अपना अहम योगदान निभा रहा है जिसके लिए शासन के द्वारा पोषण वाटिका का भी निर्माण कराया जा रहा है जिसमें सहजन के पेड़ लगाने पर जोर दिया जाएगा। जिला कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार पांडेय ने बताया जनपद में करीब 4127 आंगनबाड़ी केंद्रों में कम से कम एक सहजन का पौधा रोपित होगा। पौधों के वृक्ष बनने से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा साथ ही स्वस्थ समाज की परिकल्पना भी साकार होगी। सहजन के प्रयोग से गर्भवती माताओं का स्वास्थ्य बेहतर होने के साथ कुपोषित बच्चों का कुपोषण भी दूर होगा। आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए नित नए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होने बताया आईसीडीएस की ओर से कुपोषित बच्चों को चिह्नित कर उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बच्चों को पौष्टिक आहार के रूप में पोषण सामग्री आदि का वितरण किया ही जा रहा साथ ही गर्भवती माताओं के स्वास्थ्य की जांचकर आयरन की गोलियां दी जा रही हैं। ताकि कुपोषण को जड़ से समाप्त किया जा सके। वहीं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता डोर टू डोर जाकर जच्चा व बच्चा का ख्याल रख रही हैं। जनपद में कुपोषण नियंत्रण की स्थिति संतोषजनक है। साथ ही कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों पर सहजन के पौधे लगवाने का मुख्य उद्देश्य गर्भवती माताओं को इसके प्रयोग पर बल देना है। उन्हें प्रेरित किया जा रहा है कि सहजन की सब्जी, सूप आदि का प्रयोग करने से उनका स्वास्थ्य बेहतर होगा साथ ही जन्म लेने वाले बच्चे भी स्वस्थ होंगे। इतना ही नहीं केंद्र के नौनिहालों को भी इसका सेवन कराया जाएगा ताकि उन्हें विटामिन युक्त आहार मिल सके।

डालिम्स सनबीम स्कूल ने युवा गणित प्रेमियों के लिए मैथेजेनियस प्रतियोगिता का किया आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। शहर के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में से एक डालिम्स सनबीम स्कूल ने 2 सितंबर 2023 शनिवार को सिगरा कैंपस पर विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं के लिए 25वाँ मैथेजेनियस प्रतियोगिता का आयोजन किया` प्रतियोगिता का उद्देश सीखने वाले युवाओ में गणितीय कौशल और रचनात्मकता को बढ़ावा देना और उन्हें अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करना था यह प्रतियोगिता दो चरणों में हुई जिसमें 20 से अधिक स्कूलों ने ऑनलाइन मोड में और 40 से अधिक स्कूलों ने ऑफलाइन मोड के रूप में भाग लिया` प्रतिभागी अपनी कक्षाओं के आधार पर चार श्रेणियों में बांटे गए जिन्हें सीमित समय में मुश्किल समस्याओं को हल करना था समस्याए बीजगणित, ज्यामिति संख्या सिद्धांत, संकलन और तर्क संकलन समुह जैसे विषयों का था` प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं को प्रमाणपत्रों और ट्रॉफी के साथ डालिम्स सनबीम स्कूल के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप बाबा मधोक और निर्देशिका पूजा मधोक के द्वारा सम्मानीत किया गया` वाराणसी के नगर आयुक्त और वाराणसी स्मार्ट सिटी के सीईओ सिपू गिरी ने मुख्य अतिथि के रूप में इस कार्यक्रम में भाग लिया और छात्रों को अपना आशीर्वाद दिया` अतिरक्त निर्देशक माहिर मधोक और फिजा मधोक भी कार्यक्रम में उपस्थित थे और विजेताओं व प्रतिभागियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बधाई दी` इस कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में बीएचयू के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० श्याम लाल यादव और बीएचयू प्रोफेसर डॉ. हरीश चंद्र शामिल थे` डालिम्स सनबीम स्कूल की प्रचार्या डॉ. तूलिका सक्सेना ने सभी को प्रतियोगिता में सकारात्मक हिस्सा लेने के लिए धन्यवाद दिया और अपनी आशा व्यक्त की ऐसे कार्यक्रम से और अधिक छात्रों को ज्ञान के रूप में एक जुनून और एक करियर के लिए प्रेरणा देंगे

उन्होने शिक्षकों और कर्मचारियों के प्रयासों को भी सराहा जो कार्यक्रम को सफल बनाने में मदद करते हैं ` मैथजीनियस प्रतियोगिता स्कूल के विद्यार्थियों में शैक्षिक उत्कृष्टता और समग्र विकास को बढ़ाने के लिए स्कूल की पहल का एक हिस्सा थी स्कूल साल भर विभिन्न सह-शैक्षिक और अतिरक्त शिक्षक गतिविधियों का आयोजन करता रहता है ताकि अपने विद्यार्थियों को अलग- अलग क्षेत्रों में रुचि के अनुभव और अवसर प्रदान किये जा सकें।

डीएम ने किया ग्राम बघेवा स्थित अस्थाई गौवंश संरक्षण केंद्र का औचक निरीक्षण

बलिया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार शुक्रवार को हनुमानगंज ब्लाक के ग्राम बघेवा स्थित अस्थाई गौवंश संरक्षण केंद्र का निरीक्षण करने पहुंचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने पशुओं की संख्या और उनकी देखभाल करने वाले एवं रात्रि के प्रकाश की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि यहां पर कुल 23 गौवंशी पशु हैं। पशुओं की देखभाल के लिए दो लोगों को रखा गया। रात्रि में प्रकाश के लिए एक सोलर पैनल की व्यवस्था है। जिलाधिकारी ने पशुओं की स्थिति पर नाराजगी जताई। उन्होंने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि पशुओं को रोजाना मानक के अनुसार भूसा, चोकर, हरे चारे और खली की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए। पशुओं को पौष्टिक चारा उपलब्ध कराने एवं देखभाल करने में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए, अन्यथा संबंधित पर कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने भूसा रखे जाने वाले कमरे का भी निरीक्षण किया और पास सटे कमरे में अभिलेख रखने के लिए एक आलमारी और पशुओं की चिकित्सा के लिए आवश्यक दवाएं रखने का निर्देश दिया। खंड विकास अधिकारी ने बताया कि स्वालंबन योजना से जुड़े स्वयं सहायता ग्रुप की महिलाएं गाय के गोबर से गमले का निर्माण कर रही है। अब तक 114 गमलों की बिक्री हो चुकी है। जिलाधिकारी ने कहा कि गाय के गोबर और धान एवं अन्य फसलों से उपलब्ध होने वाली पराली के उपयोग से कंपोस्ट खाद बनाने की प्रक्रिया को शुरू किया जाए। जिलाधिकारी ने गौवंश संरक्षण केंद्र के बाहर बने मॉडल शौचालय में पानी की व्यवस्था एवं संबंधित जगह पर घास और झाड़ियां उगने पर ग्राम पंचायत अधिकारी को फटकार लगाई और साफ सफाई के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने गौवंश संरक्षण केंद्र की दीवारों पर गौवंश पशुओं की लोगों में जागरूकता के लिए बनाई जा रही वृत्ति चित्र की सराहना की। जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि मेन गेट के सामने एवं गांव से आने वाली सड़क के किनारों पर उगी हुई घास एवं अन्य खरपतवार की सफाई करवाएं। उन्होंने गौवंश संरक्षण केंद्र के पास स्थित तालाब के सुंदरीकरण करने हेतु निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी गजेंद्र प्रताप सिंह मौजूद थे।

शोक सभा आयोजित कर पत्रकारों ने जताया दुःख

बलिया। वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप कुमार चौरसिया के निधन के बाद जनपद के पत्रकारों ने शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी के डाक बंगले में एक शोक सभा आयोजित की। जिसमें 2 मिनट का मौन रख ईश्वर से गतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इसके पूर्व एक दो वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। बता दे कि वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप चौरसिया का हृदयघात होने से 31 अगस्त को निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को महावीर घाट पर किया गया। बता दे कि प्रदीप चौरसिया की तबीयत पहले से ही खराब चल रही थी। जिनका इलाज पीजीआई लखनऊ एवं कानपुर से चल रहा था। बृहस्पतिवार को उनकी अचानक तबीयत पुनः खराब हो गई। जिन्हें परीजनों ने जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां से स्थिति नाजुक देख चिकित्सकों ने लखनऊ के लिए रेफर कर दिया। जिसकी लखनऊ जाते समय रास्ते में मऊ मौत हो गई। इसकी जैसे ही जानकारी पत्रकारों को हुई वह हतप्रद हो गए। इसके बाद उनकी आत्मा की शांति के लिए जनपद के पत्रकारों ने नगर के पीडब्ल्यूडी डाक बंगले में एक शोक सभा आयोजित किया। जिसमें 2 मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। इस मौके पर सुधीर ओझा, शशि कुमार, रोहित सिंह, मकसूदन सिंह, मनोज राय, करुणा सिंधु सिंह, धनंजय सिंह, मुकेश मिश्रा, राणा सिंह, अजय राय, धनंजय तिवारी, श्रवण कुमार पांडेय, सुरेंद्र गुप्ता, उपेंद्र, अमित कुमार, आनंद दुबे, श्याम प्रकाश शर्मा, प्रभाकर सिंह, नरेंद्र मिश्रा, शशिकांत ओझा, अनिल अकेला, रोशन जायसवाल, सुनील सेन दादा, विक्की गुप्ता, कृष्ण कांत पांडेय, असगर अली,जमाल , संजय तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

साइकोलॉजिकल थ्रिलर चुप पर सस्पेंस थ्रिलर धोखा

अल्पना कांडपाल

फिलहाल, सिनेमाघरों में और सिनेमाघरों के बाहर, ब्रह्मास्त्र पार्ट 1 शिवा के सिनेमाघर खाली होने और हाउसफुल होने के ब्रह्मास्त्र, वानरास्त्र और आग्नेयास्त्र छोड़े जा रहे है. इन भरे सिनेमाघरों का जिक्र करते हुए ब्रह्मास्त्र हिट बताई जा रही है और इन्हें खाली दिखाते हुए इसे फ्लॉप भी बताया जा रहा है. इस अस्त्र युद्ध में भिन्न भिन्न आंकड़ों के अस्त्र छोड़ कर ब्रह्मास्त्र को करण जोहर का सफल अस्त्र बता रहे है.

कमजोर ब्रह्मास्त्र की दुआ- शेष बॉलीवुड और सिनेमाघरों के इस युद्ध से कोई सम्बन्ध नही. ब्रह्मास्त्र द्वारा 401 करोड़ के मुकाबले 134 करोड़ का नेट फिल्म को कैसे हिट बना देता है, इसका फार्मूला तो ट्रेड पंडित ही बता सकते है. परन्तु, ब्रह्मास्त्र के 401 करोड़ के बजट बजट की तुलना में काफी कम यानि 10 करोड़ के बजट पर बनी सनी देओल, दुलकर सलमान, श्रेया धन्वन्तरी और पूजा भट्ट की फिल्म चुप द रिवेंज ऑफ़ आर्टिस्ट और 20 करोड़ के बजट से बनी खुशाली कुमार की पहली फिल्म धोखा राउंड द कार्नर को कुछ पर्दो की दरकार है, ताकि वह दिखा सकें कि उनमें कितना है दम. इसलिए यह फ़िल्में बेशक ब्रह्मास्त्र के अस्त्र को भोथरा नही बताएं, पर यह तो जरूर चाहेंगी कि बॉक्स ऑफिस पर ब्रह्मास्त्र थोडा कमजोर साबित हो ताकि उन्हें कुछ भी शो मिल सकें.

कुकी की लिंर- धोखा राउंड द कार्नर के निर्देशक कुकी गुलाटी का लिंर से लगाव है. उनकी पहली फिल्म प्रिंस एक्शन लिंर थी. विवेक ओबेरॉय की मुख्य भूमिका वाली 2010 में प्रदर्शित प्रिंस को बड़ी असफलता मिली. इसके बाद, कुकी को अगली फिल्म के लिए 12 साल का इंतज़ार करना पड़ा. परन्तु कुकी की फाइनेंसियल लिंर फिल्म द बिग बुल को बड़े परदे नसीब नही हुए. हर्षद मेहता पर यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉट स्टार पर स्ट्रीम हुई. अब उनकी तीसरी फिल्म धोखा सिनेमाघरों पर प्रदर्शित होने जा रही है, कुकी चाहेंगे कि इस बार दर्शक उन्हें धोखा न दें.

लिंर की तलाश में दर्शक- वास्तविकता है कि 23 सितम्बर का सप्ताह छोटे बजट की फिल्मों के लिहाज से महत्वपूर्ण है. तब तक ब्रह्मास्त्र का तेज कम हो चुका होगा. दर्शक किसी लिंर फिल्म की तलाश में हो सकते है. ऐसे में चुप और धोखा इन्हें राहत दे सकती है. क्योंकि, जहाँ चुप द रिवेंज ऑफ़ आर्टिस्ट साइकोलॉजिकल लिंर फिल्म है, वहीं धोखा राउंड द कार्नर मिस्ट्री लिंर फिल्म है. इनका लिं दर्शकों को आकर्षित कर सकता है. अगर इन्हें परदे मिल पायें.

लिंर को विदेशी चुनौती- देखने वाले बात होगी कि साइकोलॉजिकल लिंर का सस्पेंस लिंर फिल्म से टकराव परदे पर क्या रंग लाता है. क्या यह लिंर फ़िल्में में इतना लिं पड़ा कर सकेंगी कि वह ढाई घंटे तक सीटों पर चिपके रह सके और बाहंर निकल कर दूसरे दर्शकों क भी टिकट खरीदने के लिए उत्साहित कर सकें? जवाब देना आसान नही होगा. क्योंकि, इन दोनों फिल्मों को दो विदेशी फिल्मों से चुनौती मिल सकती है. यह दो फ़िल्में हॉलीवुड की 2009 में प्रदर्शित फिल्म अवतार का उच्चीकृत संस्करण और भारत-नेपाल सहकर से बनी पहली नेपाली- हिंदी फिल्म प्रेम गीत 2 है. अवतार से भारतीय दर्शक परिचित है. वह इसे उच्च तकनीक में देखना भी चाहेंगे. अपने शीर्षक के विपरीत प्रेम गीत 3 रोमांटिक नही बल्कि पीरियड एक्शन फिल्म है.

अवतार 75 रुपये में- स्पष्ट है कि चुप द रिवेंज ऑफ़ आर्टिस्ट और धोखा राउंड द कार्नर के लिए दर्शक बटोरने का अच्छा अवसर है. परन्तु यह अवसर शतप्रतिशत होता अगर अवतार ने चुनौती नही पैदा कर दी होती. अवतार को उच्च तकनीक में प्रदर्शित करने के बावजूद चाहते है कि हिंदी फिल्म दर्शक उनकी अवतार को देखे. कियोंकि इस फिल्म की सीक्वल फिल्म अवतार द वे ऑफ़ वाटर तीन महीने बाद 16 दिसम्बर को प्रदर्शित होने जा रही है. दिलचस्प स्थिति बन गई है कि अवतार अधिक से अधिक दर्शक देख सकें इसलिए इसकी प्रवेश दरें 75 रुपये तक सीमित कर दी गई है.कौन दर्शक इन गर्मियों में ठंडे सिनेमाघरों में तीन घंटों तक अवतार का मजा लिए, वह भी 75 रुपये में!

सनी देओल की चुप

कुछ ऐसा ही सनी देओल और दुलकर सलमान भी चाहेंगे कि उनकी फिल्म चुप के सिनेमाघरों पर चुप यानि साइलेंस न छाया रहे. दर्शकों की उत्तेजनात्मक सीपियाँ सुनाई दें. साइकोलॉजिकल लिंर चुप से निर्देशक आर बल्कि की कोई ४ साल ७ महीने बाद वापसी हो रही है. उनकी पिछली फिल्म पैडमैन थी. चुप की स्टार कास्ट निर्देशक के लिहाज से अनोखी है. बॉलीवुड के एक्शन किंग सनी देओल मलयालम फिल्मों के रोमांटिक हीरो दुलकर सलमान के साथ है. फिल्म में सनी देओल निरंतर हो रही हत्याओं के रहस्य को सुलझाने में जुटे पुलिस अधिकारी की भूमिका में है. रोमांटिक दुलकर सलमान के पल्ल ऐसे कलाकार की भूमिका पड़ी है, जो समीक्षकों का शिकार है और उनकी ह्त्या करने से पहले उनके माथे पर सितारे बना देता है. इस फिल्म से बॉलीवुड अभिनेत्री पूजा भट्ट डेढ़ दशक बाद वापसी कर रही है. उनकी मेहमान भूमिका वाली फिल्म सड़क 2 ओटीटी पर प्रदर्शित हुई थी. बतौर नायिका फिल्म मिस्टर चालू शूट होने से पहले ही बंद हो गई. उनकी 2009 में प्रदर्शित सनम तेरी कसम भी 15 साल की प्रतीक्षा के बाद प्रदर्शित हुई थी.

बॉलीवुड

डिज्नी पर महाभारत

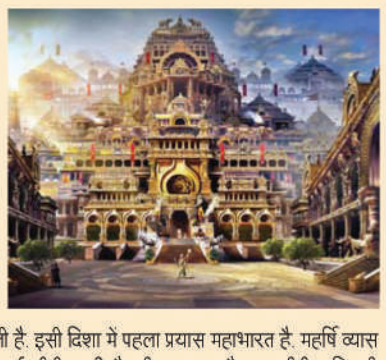

ओटीटी प्लेटफार्म डिज्नी प्लस हॉट स्टार भारतीय दर्शकों को आकर्षित करने के लिए कमर कस चुका है. स्तरहीन हिंदी फिल्मों को प्लेटफार्म पर जगह देने वाला डिज्नी अब स्वयं की सामग्री पर भरोसा करना चाहता है. प्लेटफार्म को मालूम है कि हिन्दू भावनाओं को सहला कर भारतीय दर्शकों में जगह बनाई जा सकती है. इसी दिशा में पहला प्रयास महाभारत है. महर्षि व्यास रचित महाभारत पर यह प्लेटफार्म सीरीज की तैयारी कर रहा है. यह सीरीज कितनी कड़ियों और सीजन की होगी, इसे स्पष्ट नही किया गया है. अभी कलाकारों का चयन भी नही हुआ है. इसके निर्माण से पहले के काम को पूरा किया जा रहा है. देखने वाली बात होगी कि क्या डिज्नी की महाभारत, बीआर चोपड़ा की महाभारत को टक्कर दे पायेगी या एकता कपूर की कहानी हमारे महाभारत की की तरह बिसरा दी जाएगी!

आदिपुरुष का प्रचार

मर्यादा पुरु षोत्तम राम के जीवन पर धार्मिक फिल्म आदिपुरु ष के विषय में अच्छे समाचार है. बताते है कि इसका प्रचार नवरात्रि के पहले दिन राम नगरी अयोध्या से होगा। 26 सितम्बर को फिल्म का टीज़र, आदिपुरु ष में राम की भूमिका करने वाले बाहुबली अभिनेता प्रभास जारी करेंगे। फिल्म के निर्देशक और एक निर्माता ओम राउत फिल्म को पूरी तरह से धार्मिक वातावरण देना चाहते है। प्रभास, 5 अक्टूबर को दिल्ली के लालकिला खेली जाने वाली लवकुश रामलीला में रावण दहन करेंगे। यह 500 करोड़ के बजट की भारत की महँगी फिल्मों में से है। हिंदी और तेलुगु भाषाओँ में साथ शूट फिल्म को दूसरी भाषाओँ में डब कर अखिल भारतीय स्तर पर 12 जनवरी 2023 को प्रदर्शित किया जाएगा।

दलपति के साथ संजय दत्त

शमशेरा जैसी भारी भरकम असफलता के बावजूद संजय दत्त के खलनायक का क्रेज अब दक्षिण के फिल्मकारों के सर पर चढ़ कर बोल रहा है. साहिब बीवी और गैंगस्टर 2, कलंक, प्रस्थानम, पानीपत, सड़क 2, तोरबाज, भुज द प्राइड ऑफ़ इंडिया, पृथ्वीराज और शमशेरा की असफलता के बावजूद केजीएफ चैप्टर 2 के अधीरा पर दक्षिण का विश्वास जम गया लगता है. तभी तो निर्देशक लोकेश कनकराज ने उन्हें एक्टर विजय के साथ अपनी आगामी फिल्म का खलनायक बना दिया है. दलपति विजय के साथ निर्देशक लोकेश की मास्टर के बाद यह दूसरी फिल्म है. अगले साल विजय की फिल्म वरिसु भी प्रदर्शित होने जा रही है. फिल्म दिवाली 2023 में प्रदर्शित होगी. यह फिल्म तमिल के अतिरिक्त हिंदी तथा दूसरी अन्य भारतीय भाषाओँ में भी प्रदर्शित होगी.

राधिका ने शुरू की सना की डबिंग

शिद्दत और अंग्रेज़ी मीडियम जैसी फिल्मों की राधिका मदान ने अपनी अगली फिल्म सना की डबिंग शुरू कर दी है। सना रिलेशनशिप ड्रामा फिल्म है. यह फिल्म ज़िद्दी और महत्वाकांक्षी महिला सना (राधिका) के इर्द-गिर्द है. सुधांशु सरिया द्वारा निर्देशित और लिखित फ्रेर लाइन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित सना में पूजा भट्ट, शिखा तलसानिया और सोहम

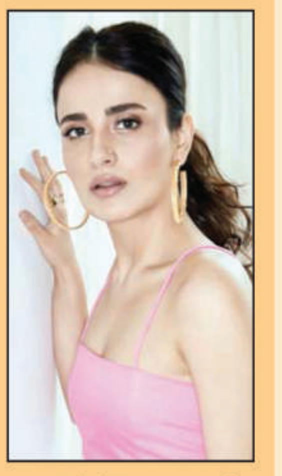

शाह भी है। निर्देशक सुधांशु सरिया, जंगली पिक्चर्स के लिए जासूसी लिंर फिल्म उलज का निर्देशक भी कर रहे है. राधिका ने, विशाल भारद्वाज की सुपर फ्लॉप फिल्म पटाखा से हिंदी फिल्मों में शुरुआत की थी. मर्द को दर्द नही होता में वह अभिमन्यु दासानी की नायिका थी. शिद्दत के बाद, उनकी तीन फ़िल्में कच्चे लिम्बू, होमी अदजानिया की अनाम फिल्म तथा कुत्ते पूरी हो चुकी है.

महेश बाबू के साथ राजामौली

जहाँ बॉलीवुड की फ़िल्में पैन इंडिया यानि अखिल भारतीय बनने की ओर है, वही एसएस राजामौली अब पैन वर्ल्ड अर्थात अंतर्राष्ट्रीय होने जा रहे है. उनकी अगली फिल्म भूपर्यटन यानि ग्लोबल टोटिरग फिल्म होगी. अभी तक तेलुगु के बड़े सितारों जूनियर एनटीआर और रामचरण के साथ आर आर आर के साथ फ़िल्में बना चुके राजामौली, पहली बार तेलुगु के अन्य सुपरस्टार महेश बाबू के साथ फिल्म बनाने जा रहे है. कार्यकारी शीर्षक एसएसएमबी29 से शूट होने वाली यह फिल्म मारधाड से भरपूर साहसिक एक्शन एडवेंचर फिल्म होगी. इसका कथानक दुनिया के कई देशों में घूमेगा. फिल्म की अधिकतर शूटिंग अफ्रीका में होगी. राजामौली और महेश बाबू जोड़ी की यह फिल्म जेम्स बांड प्रकार के कथानक वाली हो सकती है. इसकी शूटिंग अगले साल जनवरी से प्रारम्भ हो सकती है. महेश बाबू इस समय निर्देशक त्रिविक्रम की मारधाड़ से भरपूर अनाम फिल्म की शूटिंग कर रहे है.

पीआर स्टंट की ईशा

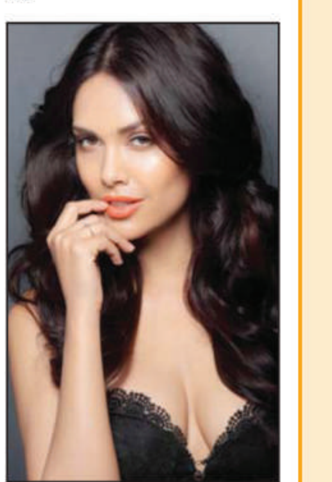

अभिनेत्री ईशा गुप्ता चित्रों से हॉट है. 2012 में महेश भट्ट की फिल्म जन्नत 2 से डेब्यू करने वाली ईशा गुप्ता ने 2012 में राज डी और चक्रव्यूह से झंडे गाड़ दिए थे. बाद में वह टेम्पो नही बना सकी. उनकी फिल्में बादशाहों और कमांडो 2 पाच साल पहले प्रदर्शित हुई थी. उसके बाद तो वह फिल्म पलटन और टोटल धमाल तथा दक्षिण की फिल्मों में कैमियो करती दिखाई दी. उनकी अमीषा पटेल के साथ फिल्म ब्लैक मैजिक का कोई पता नही है तथा हेरा फेरी 3 का बनना भी पीआर स्टंट लगाने लगा है.

टीवी

हुमा हैं माधुरी की फैन

सोनी टीवी का - द कपिल शर्मा शो पॉलिटिकल लिंर सीरीज़ 'महारानी 2' के कलाकारों का स्वागत करेगा, जिनमें हुमा कुरैशी, सोहम शाह, अमित सियाल, प्रमोद पाठक, दिब्येंदु भट्टाचार्य और अनुजा साठे शामिल होंगी। होस्ट कपिल शर्मा ने हुमा कुरैशी से अनुभव जानना चाहा। हुमा बताती है, "मै माधुरी दीक्षित परफॉर्म करते हुए देखती थी और हमेशा मै उनसे अपनी नजरें नही हटा पाती थी। जब मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला, तो मै नर्वस भी थी और उत्साहित भी। लेकिन वो बड़ी प्यारी इंसान है और पूरा माहौल बड़ा खुशनुमा बना देती थी। वो मुझसे अपने घर और बच्चों के बारे बात करती थी और आम लड़की की तरह पेश आती थी, जैसे कोई आम गृहिणी बात करती है। मैने उनसे कहा, "आप तो हमारे जैसी है? (हंसते हुए)।"

भारती सिंह चाहती हैं बेटा हीरो बने

ज़ी टीवी अपने ज़ी रिते अवर्ड्स के जरिए किरदारों के बीच गहरे रितों का जन मनाया। स्पोल एपिसोड 'नाच, गाना, हंगामा एंड टैलेंट' होस्ट करके ारुआत की! जहां स्कोर देने के लिए अनु मलिक और भारती सिंह मौजूद थीं। भारती ने बताया, ''मैं हाल ही में मां बनी हूं और ज्यादातर समय मैं सोचती रहती हूं कि मेरा बेटा बड़ा होकर क्या करेगा और किस तरह का इंसान बनेगा। आप (ागुन पांडे) मल्टी-टैलेंटेड इंसान हैं, अलराउंडर हैं। आप गा सकते हैं, डांस कर सकते हैं, एक्टिंग कर सकते हैं और म्यूज़िकल इंस्ट्रूमेंट्स बजा सकते हैं। यदि मेरा बेटा लक्ष्य आपका सिर्फ १० प्रतिात भी बन पाया, तो मुझे लगता है कि मैं और हर्ष यह मानेंगे कि हमने सबकुछ हासिल कर लिया है।

''त्रिशा को कहानियां सुनाती हूं''- नेहा सरगम

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन की पौराणिक कथा, यशोमती मैया के नंदलाला में नंदलाला (त्रिशा सारडा) माखन चुराते रहते हैं। यशोदा मैया (नेहा सरगम) शिक्षिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी। सरगम कहती हैं, ''त्रिशा बड़ी मेहनती है और उसके साथ

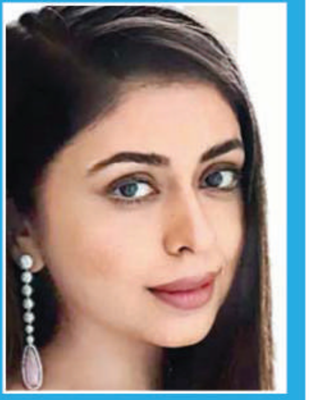

काम करना हमेशा मजेदार होता है। त्रिशा बच्ची है इसलिए मैं उसे भगवान कृष्ण की कहानियां सुनाती हूं। वो उन्हें सुनना पसंद करती है। बच्चे को पौराणिक कथाओं से गहराई से जुड़े देखना खुशी की बात है।''

अनोखी प्रेम कहानी शेरदिल शेरगिल

मनमीत शेरगिल निडर महिला है, जो अपनी सारी जिंदगी समाज की रूढ़ियों से लड़ती रही है। राजकुमार यादव, कॉमेडियन बनना चाहते है, लेकिन उन्हें शिक्षा आर्किटेक्ट की मिली है, उनमें जुगाड़ करने की चतुराई है। 'कलर्स' का लेटेस्ट शो 'शेरदिल शेरगिल' मनमीत और राजकुमार की कहानी है, जो एक दूसरे से बिल्कुल अलग है। 'शेरदिल शेरगिल' का प्रीमियम 26 सितंबर को होगा। सुरभि चंदना ने कहा, "मै शेरदिल हूँ, मनमीत जितनी ही महत्वाकांक्षी हूँ, सेल्फमेड हूँ, और दृढ़निश्चित हूँ

जज करने से मना किया

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का सिंगिग रियलिटी शो, इंडियन आइडल - सीजन 13, में कंटेस्टेंट से नेहा कक्कड़ ने जज करने से इनकार कर दिया! लखनऊ के कंटेस्टेंट विनीत सिंह को जज करने से इनकार कर दिया था। पता चला कि विनीत उनसे सीनियर ही नही बल्कि बेहतरीन सिंगर भी है। नेहा ने कहा, " शो में विनीत सिंह मुझसे आगे रहे थे और वो शो के स्टार थे। इस तरह वो मेरे सीनियर बन गए और आज, मै उन्हें जज नही कर सकती।"

हुश हुश के ट्रेलर

प्राइम वीडियो ने अमेज़ॉन ओरिजिनल, हुश हुश का ट्रेलर जारी किया। रहस्यों, सन्देह और नाटक से भरपूर, हुश हुश ट्रेलर चार दोस्तों के जीवन की झलक है- लॉबिस्ट इशी संघमित्रा (जूही चावला), पूर्व खोजी पत्रकार साइबा त्यागी (सोहा अली खान), फैशन डिजाइनर जायरा शेख (शहाना गोस्वामी) और सताई हुई डॉली दलाल (कृतिका कामरा), है। उनका जीवन उल्टा हो जाता है जब बुद्धिमान पुलिस गीता (करिश्मा तन्ना) रहस्य को सुलझाने के लिए निकलती है जिसमें मीरा (आयशा जुल्का) भी शामिल है।7-एपिसोड की श्रृंखला प्रशंसित निर्देशक तनुजा चंद्रा द्वारा निर्देशित है।

'दूसरी माँ' ममता वाली कहानी

एण्डटीवी 'दूसरी माँ' के लिये मां और बेटे की मशहूर ऑन-स्क्रीन जोड़ी की वापसी होगी। नेहा जोशी यशोदा की भूमिका निभायेंगी और आयुध भानुशाली कृष्णा के रूप में नजर आयेंगे। शो का प्रीमियर 20 सितंबर रात 8 होगा।'दूसरी माँ' उत्तर प्रदेश में अपने पति, दो बेटियों और ससुराल वालों के साथ रह रही महिला की कहानी है। उसका पति अनजाने में अपने नाजायज बेटे को गोद ले लेते है। यशोदा पति के अतीत और सौतेले बेटे के साथ मजबूत रिश्ते को दिखाया है।

गौहर ने सीखी घुड़सवारी

एमएक्स प्लेयर पर रिलीज़ होने जा रही ओरिजिनल सीरिज़ शिक्षा मंडल...इंडियाज बिगेस्ट एजुकेशन स्कैम के लिए गौहर खान ने घुड़सवारी सीख ली, वो भी महज़ एक दिन में। गौहर ने कहा, "मैंने काफी स्टंट किए है। शो में मै घुड़सवारी कर रही हूँ और मुझे नही पता था कि घोड़े की सवारी कैसे की जाती है। मैंने घुड़सवारी सीखी। सच कहूँ तो यह बहुत मुश्किल था, लेकिन उपलब्धि का अहसास हुआ।"

दर्शन करने पहुंचे अभिषेक

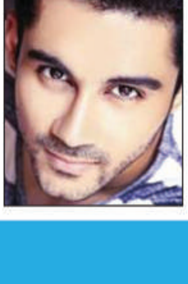

अभिषेक बजाज स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 और चंडीगढ़ करे आशिकी जैसी फिल्मों में सपोर्टिंग परफॉर्मेंस के बाद बबली बाउंसर के साथ पहले लीड रोल के लिए तैयार है। फिल्म में अभिषेक, तमन्ना भाटिया के साथ नजर आएंगे। अभिषेक ने कहा, "मै बप्पा को धन्यवाद देना चाहता था। बप्पा विघ्नहर्ता है। इसलिए मै उनसे आशीर्वाद लेना चाहता था। मै बहुत आभारी हू।"

शगुन को मिला सरप्राइज

इंडियन आइडल - सीज़न 13 में सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर 'मौसम म्यूज़िकाना' है। झारखंड के कंटेस्टेंट शगुन पाठक गायकों के परिवार से हैं। हिमेश रेशमिया ने कहा, ''आपका 'सुर', आवाज़, परफॉर्मेंस, व्यक्तित्व, अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास अद्भुत था। आप परफेक्शन का परफेक्ट उदाहरण हैं। आपको बहुत आत्मविश्वास और क्षमता की आवश्यकता होती है और आपने शानदार काम किया है।"

रेमो के लिए बॉस्को

डीआईडी सुपर मॉम्स में स्पेशल ट्रीट है, बॉस्को को फिल्म निर्देशन में उतरने के लिए प्रेरित किया। बॉस्को बताते है, "रॉकेट गैंग पहली फिल्म है, जिसका मै निर्देशन कर रहा हूं और मुझे पता है कि रेमो इस बात को समझते है कि फिल्म बनाने में कितनी मेहनत लगती है। कोरियोग्राफर से निर्देशक बनने का सफर तय किया है यकीनन हम जैसे कई लोगों को प्रेरित किया है। ।"

पुरातात्विक

अजय चंद्रवंशी

पचराही का प्रसिद्ध कंकाली टीला

छत्तीसगढ़ के पुरातन पुरातात्विक स्थलों में पचराही का स्थान महत्वपूर्ण है। पचराही जिला मुख्यालय कवर्धा से 45 किमी तथा ब्लाक मुख्यालय बोड़ला से 17 किमी की दूरी पर उत्तर-पश्चिम दिशा में हाफ नदी के दाहिने किनारे पर स्थित है। पचराही नाम से ही स्पष्ट हो जाता है कि इस स्थल से पांच रास्ते रतनपुर, सहसपुर, भोरमदेव, मंडला और लांजी को जोड़ते हैं। पचराही के इतहास में महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब विधिवत रूप से यहां के पुरातात्विक स्थलों का उत्खनन हुआ। इस क्षेत्र का सर्वप्रथम सर्वे सर आर जेनकिन्स द्वारा (1825 के लगभग) किया गया, जिसकी रिपोर्ट एशियाटिक रिसर्चेस वाल्यूम 15 में प्रकाशित हुआ। इस स्थल से इतिहास के अनेक साक्ष्य को अपने गर्भ में समाए रखा है। आज भी खुदाई के दौरान यहां अनेक महत्व के वस्तुएं मिलती रहती हैं। इस स्थल का निरीक्षण करने पर लगता है कि यहां अभी और भी अधिक काम होना बाकी है। इस स्थल पर टीले, गुंबद, मूर्तियों के अवशेष बिखरी अवस्था में पड़े देखे जा सकते हैं। पचराही का पुरातत्व 'कंकाली टीला' के नाम से ही अधिक चर्चित रहा है। उत्खनन से पूर्व टीले में स्थापत्य खंड के बीच एक मूर्ति थी, जिसे 'कंकाली देवी' के नाम से पूजा जाता रहा है। 'कंकाली टीला' के उत्खनन से उत्तर दिशा में गुप्त कालीन ईंट की संरचना प्राप्त हुई है जिसमें दो कक्ष हैं और बाहर एक प्रदक्षिणा पथ। बाद में कल्चुरी काल में इसके उप्पर पत्थर से निर्माण कार्य के साक्ष्य मिले हैं। ईटों की संरचना के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं है, मगर कल्चुरी काल में पत्थर का निर्माण कार्य अभिलेख में उल्लेखित शिव मंदिर हो सकता है, जो मंदिर के ध्वस्त हो जाने के बाद के काल में कंकाली की मूर्ति के कारण 'कंकाली मंदिर' के नाम से चर्चित हो गया। यह मूर्ति वर्तमान में पचराही संग्रहालय में रखी गई है।

पुस्तक समीक्षा

महाशिव गुप्त बालार्जुन

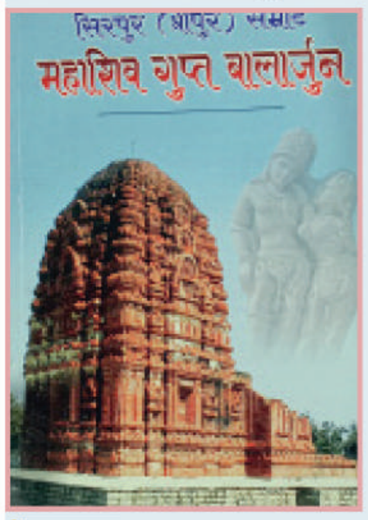

कृति के नाव: महाशिव गुप्त बालार्जुन

कृतिकार: डा. गणेश खरे

समीक्षक: बी. पी. पारकर

प्रकाशक: वैभव प्रकाशन रायपुर

कीमत: दो सौ रूपए

छत्तीसगढ़ को प्राचीन समय में दंडकारण्य के नाम से जाना जाता था। इसी कड़ी में सोमवंशी काल में यहां का शासन महाशिव गुप्त अर्थात बालार्जुन के पिता सम्राट हर्ष देव करते थे। इस अंचल को महान दार्शनिक बोधिसत्व रसायनविद नागार्जुन की जन्मभूमि होने का गौरव प्राप्त है। यहां के सांस्कृतिक समंवय और भौतिक समृद्धि में उन्नति बालार्जुन के 60 वर्षीय शासन काल में ही निर्मित हुए हैं। इनमें बौद्ध विहार, बौद्ध स्तूप,वेदशाला, जैन भवन, शिव मंदिर, अन्नागार औद्योगिक स्थल के अलावा आयुर्वेद स्नान कुंड का भी निर्माण और विस्तार हुआ। महाशिव गुप्त बालार्जुन सम्राट हर्षवर्धन तथा पुलकेशिन द्वितीय के समसामयिक रहे। इनके प्रभुत्व के कारण तब भारत में बालार्जुन को छोड़कर कोई भी स्वतंत्र सम्राट नहीं था। बालार्जुन का शासन स्वयं में उसकी दूरदर्शिता, कुशल प्रशासन, शौर्य, पराक्रम, सांस्कृतिक, धार्मिक सहिष्णुता तथा कलात्मक निर्माण का स्वर्ण युग रहा है। उपरोक्त सभी विषय-वस्तु को विस्तार से बहुत सरल रूप में पाठकों के समक्ष लाया है। आशा है पाठकों और शोधार्थियों के साथ इतिहास के प्रति रूचि रखने वाले इस पुस्तक को पढ़कर अवश्य ही लाभांवित होंगे।

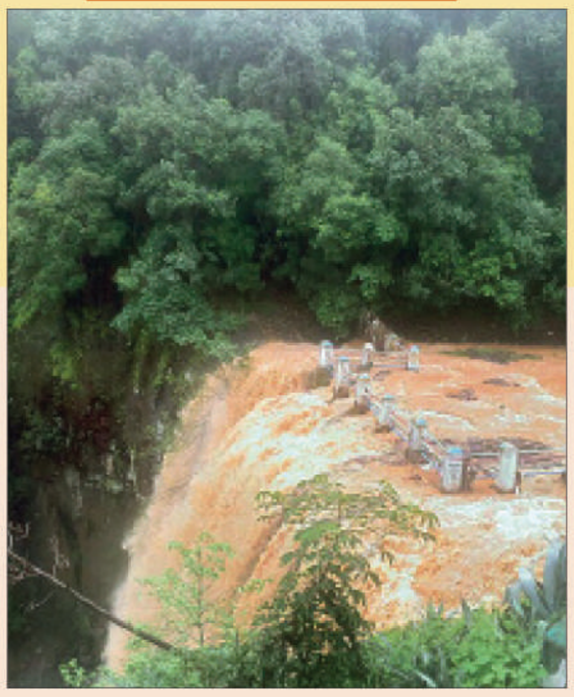

सरगुजा जिला सतपुड़ा पर्वत की उच्चतम भूमि पर स्थित लगभग 956 कि. मी. क्षेत्र में फैला है। भौतिक रचना की दृष्टि से सरगुजा का अधिकांश भाग दक्षिणी पठार का अंग रहा है, जो पुरातन कठोर चट्टानों से बना है। ऐसा अनुमान है कि 50 लाख से 2 करोड़ वर्ष पूर्व सम्पूर्ण सरगुजा ज्वालामुखी का एक ऊंचा पठार था, जो रींवा से लेकर रांची तथा पलामऊ तक फैला था। इस क्षेत्र की भूमि ऊंची नीची है। पहाड़ियां, पठार और घाटियां इसकी धरातलीय संरचना को स्पष्ट करती हैं। सरगुजिहा में ऊंचे समतल भाग को पाट कहते हैं।

तिब्बत का पठार भी कहलाता है सरगुजा

छत्तीसगढ़ अंचल के कोने कोने में रियासत काल के अनेक ऐतिहासिक साक्ष्य उस स्थान की विशेषता को प्रदर्शित करते रहते हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले का अपना भी अलग इतिहास है। यहां तक कि इस स्थल के नामकरण को लेकर भी रोचक जानकारियां हमें मिलती हैं। यदि इस स्थल का अवलोकन करें तो सरगुजा जिला सतपुड़ा पर्वत की उच्चतम भूमि पर स्थित लगभग 956 कि. मी. क्षेत्र में फैला है। भौतिक रचना की दृष्टि से सरगुजा का अधिकांश भाग दक्षिणी पठार का अंग रहा है, जो पुरातन कठोर चट्टानों से बना है। ऐसा अनुमान है कि 50 लाख से 2 करोड़ वर्ष पूर्व सम्पूर्ण सरगुजा ज्वालामुखी का एक ऊंचा पठार था, जो रींवा से लेकर रांची तथा पलामऊ तक फैला था। इस क्षेत्र की भूमि ऊंची नीची है। पहाड़ियां, पठार और घाटियां इसकी धरातलीय संरचना को स्पष्ट करती हैं। सरगुजिहा में ऊंचे समतल भाग को पाट कहते हैं। पूर्वी भाग में मैनपाट, जमीरपाट, जरंगपाट, लसुनपाट और सामरी पाट प्रसिद्ध हैं। इनमें से मैनपाट को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया गया है तथा यहां तिब्बतियों को बसाया गया है। इस स्थल को छत्तीसगढ़ की ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाना भी प्रस्तावित है। इसकी लंबाई 28 किमी, चौड़ाई 90 कि मी और ऊंचाई समुद्र तल से 3750 फीट है। इस स्थल को सरगुजा का 'तिब्बत का पठार' भी कहा जाता है। इस तरह अंचल के सरगुजा जिले का इतिहास सदैव पाठकों और इतिहासकारों को अपनी ओर आकर्षित ही करते रहेंगे।

गांव की कहानी : डा. सुधीर पाठक

मनमोहक और रमणीय इंतुल जलप्रपात

पर्यटन : विश्वनाथ देवांगन

छत्तीसगढ़ की धरती प्राकृतिक वादियों के लिए भी प्रसिद्ध रही है। खासकर बस्तर अंचल इस दिशा में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। इस स्थल में अनेक झरने और जलप्रपात प्रर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। अभी भी इस अंचल में ऐसे कई मनमोहक और सुंदर जलप्रपात है जिसके बारे में यहां के लोग भी अनभिज्ञ हैं। प्रकृति की गोद में हरियाली लिए दंतेवाड़ा अंतर्गत इंतुल जलप्रपात खूबसूरत छटा बिखने के बाद भी लोगों के लिए अंजान सा है। यह जलप्रपात दंतेवाड़ा जिले के विकासखंड कटे कल्याण के पास घने जंगलों में स्थित है। कोरीरास से भूसारास की तरफ बहने वाली नदी पर यह खूबसूरत झरना बेड़मा के डायापारा के समीप जंगलों में बड़ी-बड़ी चट्टानों से होकर इसका जल 50 फीट के तीन पड़ाव पार कर समतल मैदान में इसकी जल धाराएं उतरती दिखती हैं साथ ही पहले पड़ाव में जल दो समांतर पहाड़ों के कुंड में समाहित होता नजर आता है। दुर्गम स्थल में होने के कारण यह स्थल पर्यटकों के पहुंच से बाहर है। आवागमन के लिए उचित व्यवस्था भी इस स्थान तक पहुंचने के लिए नहीं है। यदि इस स्थान तक जाने के लिए रास्ता सुगम हो जाए, तो भविष्य में अच्छा पर्यटन स्थल घोषित हो सकता है। बरसात के दिनों में यहां के रमणीय वातावरण का आनंद लिया जा सकता है। उचित झरने के चारों ओर खूबसूरत हरे भरे वन मन को आनंदित कर देते हैं।

छत्तीसगढ़ी में मुक्तक काव्य एक दृष्टि में

लोक साहित्य : डा मंजू शर्मा

अंचल में अनेक साहित्यकारों ने छत्तीसगढ़ी और हिन्दी में लिखकर साहित्य को समृद्ध करने का ही काम किया है। कई सदी पहले से साहित्य के विभिन्न विधाओं में लेखन के परिणाम हमें मिल जाते हैं। इससे स्पष्ट हो जाती है कि अंचल में लेखन परंपरा का अपना समृद्ध इतिहास रहा है। छत्तीसगढ़ी मुक्तक काव्य परंपरा की शुरूआत बीसवीं सदी के प्रारंभ में मिलता है। इस संदर्भ में पंडित लोचन प्रसाद पांडेय व पंडित पृथ्वीलाल तिवारी छत्तीसगढ़ी काव्य आंदोलन के प्रणेता और नई पीढ़ी के प्रेरक प्रमाणित हुए। इस कड़ी को पंडित शुकलाल प्रसाद पांडेय व पंडित बंशीधर पांडेय ने आगे बढ़ाया। इस समय जगन्नाथ प्रसाद 'भानु' की कुछ रचनाओं का उल्लेख मिलता है, जिसमें 'मातेश्वरी गुटका' छत्तीसगढ़ी जस गीत का संग्रह है, जबकि 'खुसरा चिरई के बिहाव' की केवल सूचना भर मिलती है। पंडित लोचन प्रसाद पांडेय के वंदना गीत 1909 में छत्तीसगढ़ का जयगान है-

जयति जय छत्तीसगढ़ देस, जनम भूमि सुंदर सुख खान।
जहां के तिल सन हर्रा लाख, गहूं अऊ नाना विध के धान।
बनिया बैपारी के आधार, बढ़ाथे देस राज के मान।
जहां के हम सब अन संतान, सत्ताधारी सरल किसान।
हम मन ल पाके होइस धन्न, हमर प्यारा हिंदुस्तान।

विलक्षण प्रतिभा के धनी मेदिनी प्रसाद पांडेय

सुरता

कमल नारायण

मेदिनी प्रसाद पांडेय का जन्म खरसिया के पास ग्राम परसापाली में सन 1869 में हुआ था। आपकी प्रारंभिक शिक्षा पर हुई, तथा संस्कृत और व्याकरण की पढ़ाई रायगढ़ में पूरी की। आप संस्कृत, ब्रज भाषा, हिन्दी और छत्तीसगढ़ी के ज्ञाता रहे। आपने अनेक महाकाव्य की रचना की जिसमें सत्संग विलास, संग्रह सागर, रामायण, दुर्जण-दर्पण, पुंज प्रकाश, गणपति उत्सव विकट बत्तीसी प्रमुख रहे। आपके गीत नाचा-गम्मत और नाटकों में उपयोग किए जाते थे। आप साहित्यिक कार्यो के साथ समाज सेवा में भी संलग्न रहते थे। आप 27 मार्च 1952 को इस सांसारिक जीवन से मुक्त हो गए। आपके नाती का अल्पायु 10 वर्ष में निधन हो जाने पर आहत होकर इस गीत की रचना की-

प्रातःकाल उठि अब मेरे ढिग एहै कौन,
बाबा कहि बार बार मोहि को पुकारैगो?
प्रातः के कलेउ काज मातु परियैहै कौन,
रूठे भगिनी तो कौन चुप करावैगो?

कला जगत

कुसुमलता सिंह

छत्तीसगढ़ में आल्हा गायन की परंपरा

छत्तीसगढ़ अंचल में आल्हा या तो बुंदेली रूप में गाया जाता है या फिर छत्तीसगढ़ी रूपांतरण के साथ प्रस्तुत होता है। बुंदेली रूप प्रायः पुस्तकों के आधार पर गेय है, जबकि छत्तीसगढ़ी रूप अलिखित व मौखिक परंपरा के अनुरूप एक कंठ से दूसरे कंठ में बसता है। इस लोक गाथा का छत्तीसगढ़ पर इतना प्रभाव पड़ा है कि आल्हा ऊदल के एक भाई को छत्तीसगढ़ी के फाग गीतों में भी स्थान मिला है।

भारत के हर अंचल में आल्हा गायन की अपनी परंपरा है। हिन्दी साहित्य के वीरगाथा काल में कवि जागनिक द्वारा रचित वीरगाथात्मक काव्यग्रंथ में आल्हा ऊदल की व्याप्त चर्चा है। आल्हा की प्रकाशित पुस्तकों में 52 युद्धों का वर्णन मिलता है। छत्तीसगढ़ अंचल में आल्हा या तो बुंदेली रूप में गाया जाता है या फिर छत्तीसगढ़ी रूपांतरण के साथ प्रस्तुत होता है। बुंदेली रूप प्रायः पुस्तकों के आधार पर गेय है, जबकि छत्तीसगढ़ी रूप अलिखित व मौखिक परंपरा के अनुरूप एक कंठ से दूसरे कंठ में बसता है। इस लोक गाथा का छत्तीसगढ़ पर इतना प्रभाव पड़ा है कि आल्हा ऊदल के एक भाई को छत्तीसगढ़ी के फाग गीतों में भी स्थान मिला है। यह बात अलग है कि उनका यह तीसरा भाई निर्बल माना गया है। छत्तीसगढ़ के राऊत जाति के लोग प्रमुख लोकगीत बांस गीतों में भी आल्हा गायन किया जाता है। बांस गीतों के लोकतांत्रिक अध्ययन के अंतर्गत कथा है कि हिरण के आखेट के बहाने ऊदल अपने प्रिय बिंदुलिया घोड़े पर सवार होकर उरई पहुंच जाता है। वहां के सरोवर में पानी भरने आई पनिहारिनों से अपने घोड़े को पानी पिलाने को कहता है। पनिहारिनें ऊदल की इस बात को अपना अपमान समझकर उसकी उपेक्षा करती हैं। ऊदल अपनी गुलेल से उनके घड़ों को फोड़ देता है। पनिहारिनें राजा से शिकायत करती हैं। इसे सुनकर वहां के राजा चंदेल के नरेश को विरोध में पत्र लिखते हैं। इस पत्र के उत्तर में चंदेल लिखते हैं कि पनिहारिनों के जो घड़े फूटे हैं उनके बदले में स्वर्ण घट भिजवा दिए जाएंगे। इस तरह ऊदल की वीरता के प्रति राजा की आसक्ति का आभास हो जाता है।

अफरीदी के शुरुआती तीन ओवरों में सावधानी बरतें

हेडन की रोहित को सलाह

पेल्लेकल (भाषा)। आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन चाहते हैं कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा यूएई 2021 टी-20 विश्व कप जैसे हालात से बचने के लिए पाकिस्तान के तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी के पहले तीन ओवरों में सावधानी बरतें। रोहित को टी-20 विश्व कप में अफरीदी ने अंदर आती यॉर्कर गेंद पर बोल्ड किया था। वह इस मैच में खाता खोलने में विफल रहे थे।

भारत को इस ग्रुप मैच में 10 विकेट से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा और टीम इस टूर्नामेंट में हार के सदमे से उबरने में नाकाम रही। हेडन का मानना है कि पाकिस्तान के इस लंबे कद के तेज गेंदबाज से निपटने का यही सही तरीका है। हेडन ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, 'आपको शाहीन अफरीदी के खिलाफ शुरू में सतर्कता बरतनी होगी। (टी-20) विश्व कप (2021 में यूएई में) को याद करिए। शाहीन शुरुआती ओवरों में विकेट लेने में सक्षम थे।'

हेडन ने भारतीय कप्तान को सलाह दी, 'हम उस गेंद को कभी नहीं भूलेंगे जो उन्होंने रोहित शर्मा को फेंकी थी, इसलिए उसके खिलाफ थोड़ी सावधानी बरतें। अगर यह स्विंग हो रही है, तो पहले तीन ओवर खेलने पर ध्यान दें।' कोहली ने मैच में 49 गेंद में 57 रन बनाकर भारतीय पारी को संवारा था। टीम को हालांकि इस मुकाबले में 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। हेडन से कहा कि अफरीदी के साथ ही भारतीय बल्लेबाजों को नसीम शाह और हारिस रऊफ के खिलाफ भी योजना बना कर बल्लेबाजी करनी होगी।

हेडन ने दोनों चिर-प्रतिद्वंद्वी के बीच मुकाबले को विश्व क्रिकेट में सबसे रोमांचक मुकाबला करार देते हुए कहा, 'भारत पाकिस्तान के तेज गेंदबाजों की तिकड़ी के खिलाफ खेलगा। यह क्रिकेट में सबसे रोमांचक मुकाबलों में से एक है। पाकिस्तान के पास शाहीन अफरीदी, हारिस रऊफ और नसीम (शाह) जैसे काबिल गेंदबाज हैं। तीन बहुत अलग प्रकार के गेंदबाज और उनसे निपटने के लिए टीम को योजना के साथ आना होगा।'

मेरी कोशिश पेरिस में ओलंपिक स्वर्ण बरकरार रखने की : नीरज

नई दिल्ली (भाषा)। सुपरस्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले साल पेरिस में अपना ओलंपिक स्वर्ण पदक और 2025 में अपना विश्व चैंपियनशिप खिताब बरकरार रखने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

यह पूछने पर कि क्या वह चेक गणराज्य के महान एथलीट जान जेलेज्नी की उपलब्धि हासिल कर सकते हैं जिनके नाम तीन ओलंपिक और तीन विश्व चैंपियनशिप खिताब हैं। इस पर चोपड़ा ने कहा, 'अगर मैं प्रेरित बना रहता हूं और अपने खेल पर फोकस बनाए रखता हूं तो सबकुछ संभव है।' उन्होंने कहा, 'मेरी कोशिश है कि मुझे मेरा खिताब फिर से दोहराना है और मुझे इसके लिए जितनी भी मेहनत करने की जरूरत होगी, मैं करूंगा।' चोपड़ा से पहले जेलेज्नी और नार्वे के आंद्रियास थोरकिल्डसन ने लगातार ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप खिताब जीते थे। जेलेज्नी इस भारतीय सुपरस्टार के आदर्श भी हैं जिन्होंने 1992, 1996 और 2000 में ओलंपिक स्वर्ण जबकि 1993, 1995 और 2001 में विश्व चैंपियनशिप खिताब जीते हैं।

विश्व चैंपियन नीरज ने डायमंड लीग में जीता रजत

ज्यूरिख (भाषा)। विश्व चैंपियन नीरज चोपड़ा डायमंड लीग की भालाफेंक स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल नहीं कर सके लेकिन आखिरी दौर में 85.71 मीटर का थ्रो फेंककर दूसरे स्थान पर रहे। ओलंपिक चैंपियन 25 वर्ष के चोपड़ा ने 80.79 मीटर, 85.22 मीटर और 85.71 मीटर के तीन वैध थ्रो फेंके जबकि बाकी तीन थ्रो फाउल रहे। वह चेक गणराज्य के याकूब वालेश (85.86 मीटर) के बाद दूसरे स्थान पर रहे। विश्व चैंपियनशिप में याकूब ने कांस्य पदक जीता था।

नीरज ने बृहस्पतिवार को प्रतिस्पर्धा के बाद कहा कि वह पूरी तरह से फिट थे लेकिन बुडापेस्ट में हुई विश्व चैंपियनशिप के बाद थके हुए थे। उन्होंने कहा, 'मैं अब बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं क्योंकि विश्व चैंपियनशिप के बाद हर कोई थका हुआ था। हमने वहां अपना शत प्रतिशत दिया। इस स्पर्धा में मेरा फोकस स्वस्थ बने रहने पर था क्योंकि अब हमें यूजीन (डायमंड लीग फाइनल 17 सितम्बर को) और हांगझोउ (एशियाई खेल 23 सितम्बर से) पर फोकस करना है।'

चोपड़ा ने तीन स्पर्धाओं में 23 अंक लेकर डायमंड लीग फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। उन्होंने पिछले साल डायमंड लीग जीती थी। याकूब (29 अंक) और जूलियन वेबर (25 अंक) के बाद तीसरे स्थान पर रहकर उन्होंने क्वालीफाई किया। वह तीसरे स्थान पर इसलिए रहे क्योंकि चोट के कारण डायमंड लीग के मोनाको चरण में नहीं खेले थे जिसमें याकूब और वेबर ने भाग लिया था। चोपड़ा ने दोहा (पांच मई) और लुसाने (30 जून) चरण में जीत दर्ज की थी। इसके बाद बुडापेस्ट में विश्व चैंपियनशिप में 88.17 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण जीता।

टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा ने कहा कि आगामी प्रतिस्पर्धाओं के लिये पूरी तरह फिट रहने की कवायद में उन्होंने ज्यूरिख में ज्यादा कठिन प्रयास नहीं किए। प्रतिस्पर्धा से पहले उन्होंने कहा कि विश्व चैंपियनशिप के बाद उनके कंधे और कमर में दर्द है। उन्होंने कहा कि मई जून में अभ्यास के दौरान ग्रोइन में लगी चोट के बाद वह शत प्रतिशत फिट नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'मेरा फोकस स्वस्थ बने रहने पर है और आगामी स्पर्धाओं में अपना शत प्रतिशत भी देना है। कई बार शरीर की सुननी होती है। मैंने इसलिए ज्यादा पुश नहीं किया।'

उन्होंने कहा, 'कई बार पहला लक्ष्य फिट रहना होता है। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ दिया लेकिन फोकस स्वास्थ्य पर ही था। मैं आम तौर पर सर्दियों में यूरोप में अभ्यास करता हूं क्योंकि यात्रा करना आसान होता है। यही वजह है कि इंग्लैंड में कुछ महीने बिताये जिसके बाद बुडापेस्ट में गर्मी में खेला।' डायमंड लीग फाइनल में अब तक के अंक मायने नहीं रखेंगे और उसमें जीतने वाला ही विजेता होगा। डायमंड लीग के चार व्यक्तिगत चरण होते हैं जिनकी अलग अलग ईनामी राशि होती है। चोपड़ा को ज्यूरिख में 6000 डॉलर मिले जबकि विजेता को 12000 डॉलर मिले। शीर्ष छह फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं।

यूजीन फाइनल जीतने वाले को 30000 डॉलर मिलेंगे जबकि उपविजेता को 12000 और तीसरे स्थान पर रहने वाले को 7000 डॉलर दिए जाएंगे। पुरुषों की लंबी कूद में मुरली श्रीशंकर पांचवें स्थान पर रहे जिन्होंने 7.99 मीटर की कूद लगाई। उन्होंने भी 14 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहकर डायमंड लीग फाइनल के लिये क्वालीफाई किया।

संक्षिप्त खबरें

शतरंज : दिव्या देशमुख ने बढ़त मजबूत बनाई

कोलकाता। भारतीय खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने शुक्रवार को इंडिया शतरंज टूर्नामेंट के दूसरे दिन अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए सभी तीनों राउंड जीतकर अपनी बढ़त मजबूत की। दिव्या के 5.5 अंक हैं। मौजूदा विश्व चैंपियन जु वेंजुम चार अंक लेकर दूसरे स्थान पर चल रही हैं जबकि पोलिना शुवालोवा के 3.5 अंक हैं। दिव्या ने अंतरराष्ट्रीय मास्टर वंतिका अग्रवाल को हराकर तीसरी बाजी जीती। महिला ग्रैंडमास्टर एम कोनेरू हम्पी ने जीएम निनो बातसियाश्विली के खिलाफ पहली जीत हासिल की। महिला जीएम हरिका द्रोणावल्ली ने वेंजुम के खिलाफ बाजी ड्रा खेली। जीएम इरिना क्रुश ने भी शुवालोवा से अंक बांटे।

शिलांग लाजोंग से डेनियल गोंजाल्वेस से करार किया

शिलांग। शिलांग लाजोंग एफसी ने आई-लीग के आगामी सत्र (2023-24) के लिए ब्राजील के 27 वर्षीय फुटबॉलर डेनियल गोंजाल्वेस के साथ शुक्रवार को यहां अनुबंध करने की घोषणा की। इस क्लब ने चार साल के अंतराल के बाद आई-लीग में वापसी की है। क्लब के मैनेजर हाबा लिंगदोह ने कहा, 'डेनियल गोंजाल्वेस के साथ अनुबंध पूरा कर लिया है। यह अपने देश के बाहर उनका पहला क्लब होगा।' उन्होंने कहा कि डेनियल के आने से टीम की रक्षापंक्ति मजबूत होगी।

मिडिलसेक्स के लिए खेलेंगे जयंत यादव

लंदन। भारत के फिरकी गेंदबाज जयंत यादव मिडिलसेक्स के लिए काउंटी चैंपियनशिप के आखिरी चार मैचों का हिस्सा होंगे। जयंत (33) ने भारत के लिए छह टेस्ट मैचों में हिस्सा लिया है और 29 की औसत से 16 विकेट चटकाए हैं। जयंत ने कहा, 'मैं मिडिलसेक्स जैसी ऐतिहासिक और सम्मानित काउंटी टीम के साथ जुड़कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। पिछले साल भी मैंने काउंटी क्रिकेट का लुत्फ उठाया था और अब इस नई पारी के लिए भी उत्साहित हूं।'

पेल्लेकल : अभ्यास के लिए मैदान में आते भारतीय कप्तान रोहित शर्मा।

मुकाबला भारतीय बल्लेबाजों और पाक तेज गेंदबाजों की तिकड़ी का

पेल्लेकल (भाषा)। भारत और पाकिस्तान की टीमें शनिवार को एशिया कप में आमने सामने होंगी तो यह विश्व कप के ड्रेस रिहर्सल की तरह रहेगा जिसमें विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाजों का सामना हारिस रऊफ और शाहीन शाह अफरीदी की अगुआई में पाकिस्तान के धुरंधर तेज आक्रमण से होगा।

एशिया कप 50 ओवरों के प्रारूप में हो रहा है जो अक्टूबर नवम्बर में भारत में होने वाले विश्व कप में भाग ले रही टीमों की तैयारी के लिए अहम होगा। वहीं आयोजकों और क्रिकेटप्रेमियों के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला सब मुकाबलों से बढ़कर रहता आया है।

भारतीय क्रिकेटप्रेमियों को आज भी पिछले साल टी-20 विश्व कप में मेलबर्न में रऊफ की गेंद पर कोहली का शानदार शॉट याद होगा। वहीं पाकिस्तानी प्रशंसक भी भूले नहीं होंगे जब शाहीन की तेज रफ्तार गेंदों का सामना करने में नाकाम रहे रोहित पगबाधा आउट हो गए थे। इस तरह के प्रदर्शन ही खिलाड़ियों को लीजैंड बनाते हैं और एशिया कप में दोनों टीमों के सितारों के पास अपने अपने देश में लोकप्रियता के शिखर पर पहुंचने का एक और मौका होगा।

वैसे मौसम विभाग ने शनिवार को बारिश का पूर्वानुमान जताया है जिससे दोनों टीमों के प्रशंसकों की उम्मीदों पर पानी फिरने की भी आशंका है। भारतीय खेमा दुआ कर रहा होगा कि विराट, रोहित और शुभमन गिल की तिकड़ी रऊफ, शाहीन और नसीम शाह का डटकर सामना कर सके। मौसम को देखते हुए पावरप्ले में पाकिस्तानी तिकड़ी खतरनाक साबित हो सकती है। दोनों टीमों के मध्यक्रम को लेकर अभी भी असमंजस की स्थिति है।

पहले दो मैचों से बाहर हुए केएल राहुल की गैर मौजूदगी ने भारत की परेशानियां बढ़ा दी है। ऐसे में विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को मध्यक्रम में उतारा जा सकता है

एशिया कप | क्रिकेट

- मैच भारतीय समयानुसार दोपहर 3.00 बजे से

लेकिन चौथे और पांचवें नंबर को लेकर अभी कुछ तय नहीं है। किशन ने कभी पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी नहीं की है और मध्यक्रम में उसका औसत 22.75 ही है।

दूसरी ओर पाकिस्तान टीम में कोई फिटनेस समस्या नहीं है लेकिन वनडे में खिलाड़ियों में पास अनुभव नहीं है। विश्व कप 2019 के बाद से पाकिस्तान ने सिर्फ 29 वनडे खेले जबकि भारत ने 57 मैच खेले हैं। पाकिस्तान ने 29 में से 12 मैच इसी साल खेले। उसके शीर्ष तीन बल्लेबाज बाबर आजम (689 रन), फखर जमां (593 रन) और इमामुल हक (361 रन) ने लगातार रन बनाए हैं। उसामा मीर, सऊद शकील और आगा सलमान हालांकि लगातार अच्छा खेलने में नाकाम रहे हैं।

सातवें नंबर के बल्लेबाज इफ्तिखार अहमद और आठवें नंबर पर उतरने वाले शादाब खान पर अक्सर रनगति बढाने की जिम्मेदारी आती रही है। इफ्तिखार ने नेपाल के खिलाफ शतक भी जमाया जबकि पिछले सप्ताह शादाब ने अफगानिस्तान के खिलाफ 48 रन बनाए। मध्यक्रम को लेकर भारत और पाकिस्तान की स्थिति कमोबेश समान है।

गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह और प्रसिद्ध कृष्णा की वापसी से भारतीय आक्रमण मजबूत हुआ है। दोनों ने आयरलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में काफी गेंदबाजी की लेकिन देखना होगा कि 50 ओवरों के प्रारूप में वह कैसा खेलते हैं। ऐसे में मोहम्मद शमी को तरजीह दी जा सकती है।

पाकिस्तान के शाहीन, नसीम और रऊफ मिलकर इस साल 49 विकेट ले चुके हैं। ऐसे में उछालभरी पेल्लेकल की पिच पर भारतीय बल्लेबाजों की असल परीक्षा होगी। स्पिन में रविंद्र जडेजा का चयन तय है जो सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल में से भारत को सोच समझकर चुनना होगा। कुलदीप ने इस साल 11 वनडे में 22 विकेट लिए हैं जबकि अक्षर ने छह मैचों में तीन ही विकेट चटकाये हैं। पाकिस्तान के शादाब ने आठ मैचों में 11 विकेट लिए हैं।

शाहीन के खिलाफ अपने अनुभव का इस्तेमाल करेंगे : रोहित

पेल्लेकल (भाषा)। भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि उनके बल्लेबाजों को शनिवार को यहां बहुप्रतीक्षित एशिया कप मुकाबले में पाकिस्तान की दमदार तेज गेंदबाजी तिकड़ी का मुकाबला करने के लिए अपने अनुभव पर भरोसा करना होगा। रोहित और विराट कोहली की अगुआई वाला भारतीय बल्लेबाजी क्रम जब यहां के पेल्लेकल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ जैसे काबिल गेंदबाजों का सामना करेगा तो यह एक रोमांचक प्रतियोगिता होगी।

रोहित ने मैच पूर्व संध्या पर इस बारे में पूछे जाने पर कहा, 'नेट सत्र में शाहीन, नसीम और रऊफ हमें बल्लेबाजी अभ्यास नहीं कराते है। हमारे पास जो गेंदबाज हैं उनसे हम अभ्यास करते हैं। वे सभी कौशल से भरे हुए गेंदबाज हैं। हमें उनके खिलाफ बस अपने अनुभव का उपयोग करना होगा।' टूर्नामेंट शुरू होने के बाद भी भारतीय टीम कुछ फिटनेस समस्याओं से गुजर रही है। लोकेश राहुल चयन के लिए उपलब्ध नहीं हैं जबकि जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा और श्रेयस अय्यर एकदिवसीय टीम में लंबे समय के बाद वापसी कर रहे है।

रोहित से जब टीम की फिटनेस के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'किसी भी तरह से यह फिटनेस टेस्ट नहीं है। यह टूर्नामेंट शीर्ष छह एशियाई टीमों के बीच खेला जाता है। यह एक बहुत बड़ा टूर्नामेंट है।' उन्होंने कहा, 'फिटनेस टेस्ट, फिटनेस कैंप' यह सब बेंगलुरू में किया गया था। अब, हमें आगे बढ़ना होगा और अपने प्रतिद्वंद्वी का सामना करना होगा और देखना होगा कि हम इस (टूर्नामेंट) में क्या हासिल कर सकते हैं।' भारत लंबे समय के बाद अपनी पूर्ण टीम के साथ मैदान में उतरेगा। टीम को हालांकि राहुल और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों की कमी खलेगी।

पेल्लेकल : भारत से मुकाबले की तैयारी के दौरान वार्मअप करते पाकिस्तानी खिलाड़ी।

मैन ऑफ प्लैटिनम से जुड़े क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। भारत के स्टार क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव प्लैटिनम गिल्ड इंटरनेशनल (पीजीआई) इंडियाज के मैन ऑफ प्लैटिनम के साथ जुड़ने पर समूह ने उनका स्वागत किया। अभियान को 'ए मिनट विद मैन ऑफ प्लैटिनम सूर्यकुमार यादव' नाम के एक सीरीज के माध्यम से इस असाधारण क्रिकेट प्रतिभा के जीवन की यात्रा के माध्यम से जीवंत किया गया है। इस सीरीज की हर फिल्म एक अध्याय के रूप में सूर्यकुमार के विकास की जीवंत तस्वीर पेश करती है। सूर्यकुमार यादव ने नए मैन ऑफ प्लैटिनम अभियान का हिस्सा बनने पर कहा, 'मैं ब्रांड से जुड़ कर और नए संग्रह के इस सीरीज के अभियान का हिस्सा बन कर उत्साहित हूं। मैंने हमेशा आत्म-विश्वास, सहनशक्ति, साहस, लचीलापन और करुणा जैसे मूल्यों में मजबूती के साथ विश्वास किया है। जिनके लिए मैन ऑफ प्लैटिनम जाना जाता है। इन मूल्यों ने हमेशा मेरे जीवन में पेशेवर और व्यक्तिगत रूप से मेरा मार्गदर्शन किया है।' अपने नए अभियान में सूर्यकुमार को चेहरे के रूप में चुनते हुए उनकी यात्रा असाधारण दुर्लभ गुणों को प्लैटिनम के प्रतीक के रूप में दर्शाया है। छह रोचक डिजिटल फिल्में, एक टेलीविजन प्रस्तुति, प्रिंट और दूसरी सामग्री सूर्यकुमार की यात्रा की कहानी और मैन ऑफ प्लैटिनम की समानांतर कहानियां एक साथ काम करती हैं।

खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने ग्रैंड मास्टर प्रज्ञानानंदा का अभिनंदन किया

नई दिल्ली (भाषा)। विश्व कप रजत पदक विजेता ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंदा को यकीन है कि भारतीय टीम हांगझोउ में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतेगी। भारत के नए शतरंज सुपरस्टार प्रज्ञानानंदा का शुक्रवार को खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने अपने निवास पर अभिनंदन किया। इस मौके पर प्रज्ञानानंदा ने कहा कि भारतीय टीम एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीत सकती है। वह 23 सितम्बर से शुरू हो रहे एशियाई खेलों में भाग ले रही भारत की दस सदस्यीय टीम के सदस्य है।

उन्होंने कहा, 'पिछले कुछ महीने से मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा है। इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। मुझे लगता है कि हम स्वर्ण जीत सकते है।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कल प्रज्ञानानंदा से मुलाकात की थी।

नई दिल्ली : प्रमानानंदा को सम्मानित करते खेल मंत्री अनुराग ठाकुर।

ठाकुर ने कहा, 'प्रज्ञानानंदा इतनी कम उम्र में इतना परिपक्व हो गया है। वह मानसिक रूप से काफी मजबूत है। उसकी चालें इतनी तेज हैं और मानसिक और शारीरिक रूप से उसकी तैयारी काबिले तारीफ होती है।'

उन्होंने कहा, 'मैं उसे बधाई देता हूं। दस वर्ष की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मास्टर बनना और 16 वर्ष की उम्र में मैग्नस कार्लसन को हराना बड़ी उपलब्धि है। उसने पिछले कुछ साल मे काफी मेहनत की है और इसमें उसके माता पिता की भी अहम भूमिका है।' इस मौके पर प्रज्ञानानंदा के माता पिता भी मौजूद थे। इस चैंपियन खिलाड़ी ने कहा, 'ये दोनों मेरी ताकत रहे हैं। इनके बिना मैं यहां तक नहीं पहुंच सकता था। मुझे खुशी है कि उनके प्रयासों को भी पहचान मिल रही है।' उन्होंने कहा, 'मुझे खुशी है कि सरकार से इस तरह का सहयोग मिल रहा है। कई दूसरे देशों में ऐसा नहीं होता। यह सहयोग काफी जरूरी है। मुझे खुशी है कि शतरंज का ग्राफ ऊपर की ओर बढ़ रहा है।'

टाइब्रेकर में हारने के बाद इस्नर ने टेनिस को कहा अलविदा

न्यूयॉर्क (एपी)। यूएस ओपन एकल वर्ग के दूसरे दौर में हारने के बाद अमेरिका के जॉन इस्नर ने टेनिस को अलविदा करने का ऐलान किया। 38 वर्ष के इस्नर ने कहा, 'टेनिस मेरे जीवन का अभिन्न अंग रहा है और इसे अलविदा कहना कठिन है। लेकिन अब खेलना आसान नहीं है। एक दिन तो विदा लेनी ही थी।' छह फुट दस इंच लंबे इसनेर को अमेरिका के ही वाइल्ड कार्डधारी माइकल एम ने 3-6, 4-6, 7-6, 6-4, 7-6 से हराया। अब उनका सामना ब्रिटेन के 21 वर्ष के जैक ड्रेपर से होगा।

महिला वर्ग में मरकेटा वोंड्रोसोवा, एरिना सबालेंका, मेडिसिन कीज, एलिना स्वितोलिना और डारिया कसात्किना ने भी अगले दौर में जगह बनाई। अमेरिका की तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला का सामना पैट्रिशिया मारिया टिग से होना है। पुरुष वर्ग में पिछले चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने लॉयड हैरिस को 6-3, 6-1, 7-6 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन 38 वर्ष के स्टान वावरिंका ने 30वीं वरीयता प्राप्त थॉमस मार्टिन को 7-6, 6-7, 6-3, 6-2 से मात दी। एंडी मरे को 19वीं रैंकिंग वाले ग्रिगोर दिमित्रोव ने 6-3, 6-4, 6-1 से मात दी।

युकी, साकेत पहले दौर से बाहर

न्यूयॉर्क (भाषा)। युकी भांबरी और साकेत माइनेनी अपने अपने जोड़ीदारों के साथ यूएस ओपन पुरुष युगल के पहले दौर से बाहर हो गए जिसके बाद अब सिर्फ रोहन बोपन्ना भारतीय चुनौती पेश करेंगे। नौवीं वरीयता प्राप्त पोलैंड के हुजो निस और जान जीलिंस्की ने भांबरी और ब्राजील के मार्शेलो डेमोलिनेर को 6-3, 7-5 से हराया। वहीं साकेत और रूस के एलेक्स कारात्सेव को सर्बिया के लास्लो जेरे और स्विटजरलैंड के मार्क आंद्रिया हुसलेर ने 6-7, 6-3, 6-2 से मात दी।

गुकेश बने शीर्ष भारतीय, खत्म की आनंद की 37 साल की बादशाहत

चेन्नई (भाषा)। ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश तीन दशक से अधिक समय के बाद महान विश्वनाथन आनंद की जगह भारत के शीर्ष शतरंज खिलाड़ी बन गए हैं। आनंद जुलाई 1986 से भारत के नंबर एक रहे हैं। चेन्नई का 17 वर्षीय यह ग्रैंडमास्टर बाकू में फिडे विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मैग्नस कार्लसन से हार गया था। वह रैंकिंग में आनंद से आगे निकलकर विश्व में आठवें नंबर पर पहुंच गए। गुकेश पहली बार रेटिंग सूची के शीर्ष 10 में शामिल हुए।

शतरंज | रैंकिंग

फिडे की एक सितम्बर की रैंकिंग के मुताबिक गुकेश के नाम 2758 रेटिंग अंक है जबकि आनंद 2754 रेटिंग अंक के साथ नौवें स्थान पर है। गुकेश ने एक अगस्त की रैंकिंग सूची के मुताबिक तीन स्थान का सुधार किया है। विश्व कप के फाइनल में मैग्नस कार्लसन से हार का सामना करने वाले एक अन्य युवा भारतीय खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा 2727 रेटिंग अंक के साथ इस सूची में 19वें स्थान पर पहुंच गए है। वह गुकेश और आनंद के बाद भारत के तीसरे सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग वाले खिलाड़ी हैं।

इस रैंकिंग में शीर्ष 30 में पांच भारतीय है। विदित संतोष गुजराती 27वें और अर्जुन ऐरिगेसी 29वें स्थान पर है। अनुभवी पी हरिकृष्णा 31वें पायदान पर है। गुकेश ने बाकू में विश्व कप के दौरान फिडे की लाइव विश्व रैंकिंग में अपने आदर्श और गुरु आनंद को पीछे छोड़ा था। आनंद एक जुलाई, 1986 से भारत के शीर्ष खिलाड़ी है। वह 37 वर्षो से अधिक समय तक इस स्थान पर रहे। गुकेश और प्रज्ञानानंदा भारत की एशियाई खेलों की टीम का हिस्सा है। यह दोनों खिलाड़ी कोलकाता में अभ्यास शिविर में भाग लेने के बाद पांच सितम्बर से शुरू होने वाले शतरंज टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेंगे।

पहली महिला रेलवे बोर्ड अध्यक्ष बनीं जया वर्मा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रेलवे बोर्ड की नयी अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जया वर्मा सिन्हा ने शुक्रवार को अपना पदभार संभाल लिया। सुश्री सिन्हा पहली महिला है जिनकी रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष पद पर नियुक्त की गयी हैं। उन्होंने अनिल कुमार लाहौटी का स्थान ग्रहण किया है। वर्तमान में सदस्य (संचालन और बिजनेस डेवलपमेंट) सुश्री सिन्हा कार्यकाल 31 अगस्त 2024 तक रहेगा।

नासा के हेलीकॉप्टर की मंगल पर 56 उड़ानें पूरी

लॉस एंजिल्स, (एजेंसी)। नासा के मंगल हेलीकॉप्टर ने लाल ग्रह पर अपनी 56 उड़ानें पूरी कर ली। यह जानकारी एजेंसी ने गुरुवार को दी। नासा के अनुसार, मंगल हेलीकॉप्टर ने 25 अगस्त को अपनी 56वीं उड़ान शुरु की थी, जिसमें वह 12 मीटर की ऊंचाई तक पहुंचा और 141 सेकंड में 410 मीटर की यात्रा की।

इंजेनुइटी नामक यह हेलीकॉप्टर 18 फरवरी, 2021 को मंगल ग्रह के जेजेरो क्रेटर पर पहुंचा था, जो नासा के पर्सिवरेंस रोवर से जुड़ा हुआ था। यह हेलीकॉप्टर एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन है, जिसे किसी अन्य ग्रह पर संचालित उड़ान का परीक्षण करने के लिए पहली बार डिजाइन किया गया है।

आतंकी हमले में नौ सैनिकों की मौत, पांच घायल

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम प्रांत खैबर पख्तूनवा में हुए हमले में नौ सैनिक मारे गए और पांच अन्य घायल हो गए। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि प्रांत के बन्नू जिले के जानी खेल इलाके में गुरुवार की रात एक मोटरसाइकिल सवार हमलावर ने सैन्य काफिले के पास खुद को विस्फोट से उड़ा लिया। इसमें नौ सैनिक मारे गए।

जोहान्सबर्ग की इमारत में आग, मृतक संख्या 74 हुई

जोहान्सबर्ग, (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका में जोहान्सबर्ग की एक इमारत में आग लगने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 74 हो गई। जोहान्सबर्ग शहर के प्रबंधक फ्लॉयड ब्लिंक ने कहा कि इस दुर्घटना में कुल 74 लोग मारे गए जबकि 200 से ज्यादा परिवार बेघर हो गए। उन्होंने बताया कि जिस पांच मंजिला इमारत में आग लगी, उसमें रहने वालों ने अवैध रूप से बिजली और पानी का कनेक्शन जोड़ रखा था। श्री ब्लिंक ने कहा कि शहर और उसके आसपास के विभिन्न चिकित्सा केंद्रों में 61 लोगों का इलाज किया गया।

आज का इतिहास

- 1573: अकबर ने गुजरात जीता।
- 1666: लंदन में भीषण आग, छह लोगों की मौत, दस हजार इमारतें नष्ट हुई
- 1775: पहले अमेरिकी युद्ध पोत 'हाना' का जनरल जार्ज वाशिंगटन ने जलावतरण किया।
- 1926: इटली और यमन के बीच हुए समझौते के तहत लाल सागर तट पर इटली का वर्चस्व कायम हुआ।
- 1930: 'क्वेश्चन मार्क' नामक विमान ने यूरोप से अमेरिका के लिए बिना कहीं रुके पहली बार उड़ान भरी।
- 1945: जापान के हार स्वीकार कर लिए जाने के बाद छह साल तक चला दूसरा विश्व युद्ध समाप्त हुआ।
- 1945: हो ची मिन्ही ने स्वतंत्र वियतनाम गणराज्य की स्थापना की।
- 1946: जवाहर लाल नेहरू के उप सभापतित्व में अंतरिम भारत सरकार का गठन।

युद्धपोत 'महेंद्रगिरि' का जलावतरण, उपराष्ट्रपति ने इसे भारतीय समुद्री ताकत का दूत करार दिया

मुम्बई। भारतीय नौसेना के लिए मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित स्टील्थ युद्धपोत महेंद्रगिरि का शुक्रवार को मुंबई में जलावतरण किया गया जिससे भारतीय नौसेना की ताकत में इजाफा होगा। उपराष्ट्रपति ने इसे भारत की समुद्री ताकत का दूत करार दिया। जलावतरण समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर उनकी पत्नी सुदेश भी मौजूद थीं। धनखड़ ने कहा, महेंद्रगिरि का जलावतरण हमारे समुद्री इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। धनखड़ ने कहा कि यह उचित है कि युद्धपोत का जलावतरण मुंबई जैसे शहर में हुआ। इस युद्धपोत का नाम ओडिशा में पूर्वी घाट में सबसे ऊंची पर्वत चोटी के नाम पर रखा गया है। यह युद्धपोत परियोजना 17-ए के तहत निर्मित सातवां जहाज है। यह युद्धपोत उन्नत युद्धक प्रणालियों, अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम से लैस है। धनखड़ ने कहा, मुझे यकीन है कि जलावतरण के बाद महेंद्रगिरि भारत की समुद्री शक्ति के दूत के रूप में समुद्र में पूरे गर्व से तिरंगा लहराएगा। उन्होंने कहा, मैं पूरे विश्वास के साथ हमारे सुरक्षा बल को बधाई देता हूं। वे दुनिया की सुरक्षा के लिए व्यापक रूप से खुद को बेहतर बनाना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, सेना, नौसेना और वायुसेना में 10,000 से अधिक महिला कर्मियों की मजबूत उपस्थिति के साथ भारतीय सशस्त्र बल ने लैंगिक समानता की दिशा में भी काफी प्रगति की है। महेंद्रगिरि के जलावतरण पर उन्होंने कहा, यह परियोजना 17-ए के तहत निर्मित नीलगिरि श्रेणी के युद्धपोत बेड़े का सातवां और आखिरी युद्धपोत है। उन्होंने 15 महीने में समान श्रेणी के पांच युद्धपोत के जलावतरण का जिक्र करते हुए कहा, आत्म निर्भरता की दिशा में हमारी दृढ़ प्रतिबद्धता के तहत नीलगिरि श्रेणी के उपकरणों और प्रणालियों के लिए 75 प्रतिशत ऑर्डर स्वदेशी कंपनियों को दिए गए। उन्होंने कहा कि भारत का आकार के लिहाज से 90 फीसदी कारोबार और मूल्य के लिहाज से 60 फीसदी कारोबार समुद्री मार्ग से होता है। धनखड़ ने कहा, महेंद्रगिरि का जलावतरण नौसेना को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में की गई हमारे राष्ट्र की अतुलनीय प्रगति का उपयुक्त उदाहरण है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार ने कहा कि महेंद्रगिरि नौसेना के बढ़ते बेड़े के लिए मूल्यवान साबित होगा। उन्होंने कहा, गतिशीलता, पहुंच और लचीलेपन जैसी विशेषताओं के साथ पोत की विविधता महेंद्रगिरि को भारत की समुद्री शक्ति का एक बेजोड़ हथियार बनाएगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि महेंद्रगिरि नौसेना में शामिल होने के बाद भारत की समुद्री ताकत के दूत के रूप में गर्व से महासागरों में तिरंगा फहराएगा। एडमिरल कुमार ने कहा कि युद्धपोत का जलावतरण एक महत्वपूर्ण समय पर हुआ है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र की आकांक्षात्मक गति को बनाए रखने के लिए एक सुरक्षा छतरी की आवश्यकता है।

राज्य सरकार के नवाचारों से राजस्थान बन रहा मॉडल स्टेट: सीएम गहलोत

जयपुर, (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हमारे फैसलों की पूरे देश में चर्चा हो रही है। देश के दूसरे राज्यों के लिए ये फैसले मिसाल बन रहे हैं और देश के अनेक राज्य हमारी योजनाओं का अनुसरण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हमारे नवाचारों से राजस्थान शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी सहित सभी क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है। प्रतिष्ठित टाइम मैगजीन ने भी हाल ही में राज्य की 3 योजनाओं का उल्लेख किया है। राज्य सरकार अब मिशन-2030 को साकार करने के लिए विजन डॉक्यूमेंट तैयार करवा रही है, जिसमें उन्नत और खुशहाल राजस्थान के लिए हर व्यक्ति अपने सुझाव दे सकता है। गहलोत शुक्रवार को नवसृजित जिले दूदू के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय परिसर में राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेल के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के शुभारम्भ समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने ओलम्पिक खेलों के अंतर्गत आयोजित प्रतियोगिताओं का अवलोकन किया।

राज्य में खेलों के प्रति बन रहा माहौल: मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेल सुविधाओं के विस्तार एवं खिलाड़ियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्पित है। राजीव गांधी ग्रामीण एवं शहरी ओलम्पिक खेलों के आयोजन से राज्य में खेलों के प्रति माहौल बन रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में खेलों एवं खिलाड़ियों को प्रोत्साहन के लिए कई महत्वपूर्ण फैसले किए गये हैं। खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नौकरियां देने के साथ ही उन्हें सरकारी नौकरी में आरक्षण दिया गया है। राज्य में खिलाड़ियों की पेंशन राशि में बढ़ोतरी की गई है।

जी20 समिट से गैरहाजिर रह सकते हैं सऊदी क्राउन प्रिंस

रूसी प्रेसिडेंट पुतिन भारत नहीं आएंगे, चीनी प्रेसिडेंट जिनपिंग का पहुंचना भी तय नहीं

नई दिल्ली

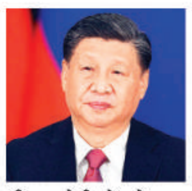

रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद अब सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के भी जी-20 समिट में शामिल न होने की आशंका है। न्यूज एजेंसी ने पाक मीडिया द नेशन के हवाले से बताया कि क्राउन प्रिंस ने जी-20 के लिए भारत दौरा कैंसिल कर दिया है। ये भी कहा गया था कि समिट के बाद वो 11 सितंबर को एक दिन के लिए भारत की स्टेट विजिट पर रहेंगे। इसके ठीक पहले वो कुछ घंटों के लिए पाक भी जाने वाले थे। पाक के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा- बिन सलमान का पाक दौरा स्थगित हो गया है और इसकी नई तारीखें जल्द ही बताई जाएंगी। वहीं द नेशन ने बताया कि पहले क्राउन प्रिंस ने पाक का दौरा भी खारिज कर दिया था। इसके बाद वहां के अधिकारियों से चर्चा के बाद इसे स्थगित किया गया। बिन सलमान पाक में केयरटेकर पीएम काकर और आर्मी चीफ मुनीर से मिलने वाले थे। इसके अलावा जी-20 समिट में शामिल होने के लिए रूस के राष्ट्रपति पहले ही इनकार कर चुके हैं।

पुतिन ने 28 अगस्त को पीएम मोदी से फोन पर बातचीत के दौरान बताया था कि शिखर सम्मेलन में उनकी जगह विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव शामिल होंगे। पुतिन इससे पहले ब्रिक्स समिट के लिए भी साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग नहीं गए थे। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के भी भारत आने पर संदेह बना हुआ है। गुरुवार को रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि जिनपिंग की जगह चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग शामिल होंगे।

जी-20 में जिनपिंग के भी न आने की आशंका: रॉयटर्स ने भारत के 2 अधिकारियों, एक डिप्लोमेट और त20 के एक सदस्य देश के अधिकारी के हवाले से बताया था कि जिनपिंग आसियान समिट के लिए भी इंडोनेशिया नहीं जाएंगे। हालांकि, गुरुवार को अमेरिका राष्ट्रपति ने उम्मीद जताई थी कि जिनपिंग समिट के लिए भारत पहुंचेंगे।

जी-20 को लेकर हाईअलर्ट पर दिल्ली

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जी20 के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली हाईअलर्ट पर है। आसमान से लेकर जमीन तक पर सुरक्षा के चाकचौबंद इंतजाम किए गए हैं। जी20 की सुरक्षा को लेकर दिल्ली पुलिस के कमांडो ने भी मॉक ड्रिल किया। जी20 में आने वाले मेहमानों की सुरक्षा के लिए एनएसजी की देखरेख में दिल्ली पुलिस के 181 कमांडो ने इस तरह की ट्रेनिंग ली, ताकि आपात स्थिति में मेहमानों की सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। ज्वाइंट सीपी (ट्रेनिंग) विजय कुमार ने कहा कि हमने जी20 की सुरक्षा के लिहाज से ये खास तौर पर किया है। ये स्टिल्थरिंग की प्रक्रिया है।

'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान देशभर में किया गया शुरू

अमित शाह बोले- आने वाला समय 'अमृतकाल' का है

नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को उन बहादुर लोगों को सम्मानित करने के लिए दिल्ली में 'मेरी माटी, मेरा देश' नामक अभियान शुरू किया, जिन्होंने देश के लिए अपनी जान कुर्बान की थी। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आने वाला समय 'अमृतकाल' का है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जुलाई में घोषणा की थी कि शहीद बहादुरों के सम्मान के लिए स्वतंत्रता दिवस से पहले ऐसा अभियान शुरू किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बहुत समय के बाद भारत ने ये पल देखा होगा, जिसमें ऐसा कोई भी घर नहीं था जिसपर तिरंगा न दिख रहा हो। 23 करोड़ परिवार ने ऑफिस, घर, झोपड़ी, महल और हर बिल्डिंग को तिरंगे से सुशोभित किया। शायद आजादी के समय भी इतने तिरंगे नहीं दिखे होंगे, जितना पीएम मोदी के आह्वान पर तिरंगे फहराए गए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि पिछले 75 साल तक हमने कई सिद्धियां प्राप्त की हैं। हम चंद्रमा पर भी पहुंच गए और अब सूर्य की कक्षा में भी पहुंच जाएंगे, लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। एक लंबी गुलामी के कालखंड और हजारों सेनानियों के बलिदान से स्वतंत्रता प्राप्ति के

बाद 75 साल का पुरुषार्थ और विगत 10 साल के अंदर पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत के जन-जन को महान भारत की रचना से जोड़ने का पुरुषार्थ तभी सफल होगा जब महान भारत की रचना होगी।

माणसा में स्मारक पट्टिका का अनावरण किया

मातृभूमि के लिए प्राणों को न्योछावर करने वाले वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए मोदी जी के आह्वान पर 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के तहत माणसा में स्मारक पट्टिका का अनावरण किया। साथ ही, अमृत कलश में मिट्टी लेकर 'पंच प्रण' की शपथ ली। यही मिट्टी, एकता व अखंडता की प्रतीक 'अमृत वाटिका' की स्थापना के लिए दिल्ली जाएगी।

सीबीसी के नए महानिदेशक का ओझा ने किया पद ग्रहण

नई दिल्ली। धीरेंद्र ओझा 1990 बैच के इंडियन इनफॉर्मेशन सर्विस के ऑफिसर है उन्होंने एक अगस्त से महानिदेशक सीबीसी का पद ग्रहण किया है। अतिरिक्त चार्ज में न्यू मीडिया विंग एवम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी का कार्यभार देख रहे है। इनसे पहले सीबीसी में मनीष देसाई प्रधान महानिदेशक के पद को संभाल रहे थे। वर्तमान में प्रेस इनफॉर्मेशन ब्यूरो का पद संभाल रहे है।

धीरेंद्र ओझा महानिदेशक सीबीसी से पहले आरएनआई के प्रेस रजिस्ट्रार नई दिल्ली के अलावा अतिरिक्त चार्ज में न्यू मीडिया विंग और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया मॉनिटरिंग कमेटी का भी कार्यभार संभाल रखा था। धीरेंद्र ओझा को लगभग 30 वर्षों का अनुभव प्राप्त है पूर्व में चुनाव आयोग के डायरेक्टर के साथ महानिदेशक भी रह चुके है तथा भारत सरकार के तरफ से दुबई में विशेष पत्रकार के अलावा दूरदर्शन, आकाशवाणी में भी अपनी सेवाएं दे चुके है।

घायल हाथी के कुचलने से विशेषज्ञ की मौत

हासन, (एजेंसी)। कर्नाटक के हासन में एक घायल हाथी ने हाथियों को नियंत्रित करने वाले विशेषज्ञ अने वेंकटेश को अलूर के समीप कुचल दिया जिससे उनकी मौत हो गई। वेंकटेश को गुरुवार को भीमा नामक घायल हाथी ने कुचल दिया था, जब वह उसके चोटों का इलाज करने गये थे। भीमा को जुलाई में जंगल में एक अन्य हाथी के साथ लड़ाई के दौरान चोट लगी थी। डॉक्टरों की एक टीम ने दो दिन पहले ही दो प्रशिक्षित हाथियों की मदद से उस घायल हाथी का इलाज किया था। घायल हाथी को अपनी ओर दौड़कर आता , देख वेंकटेश ने भागने की कोशिश की , लेकिन वह जमीन पर गिर गए । गुस्से में, हाथी ने उन्हें रौंद दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये ।वेंकटेश को तुरंत एचआईएमएस अस्पताल में भर्ती किया गया , जहां दोपहर लगभग दो बजे उनकी मौत हो गई ।

एक और आरोपी को एनआईए की विशेष कोर्ट से मिली जमानत

जयपुर ■ एजेंसी

कन्हैयालाल हत्याकांड

उदयपुर के चर्चित कन्हैया लाल हत्याकांड से जुड़ी बड़ी खबर सामने आई है। इस मामले के एक आरोपी को जमानत मिल गई है। शुक्रवार को एनआईए (राष्ट्रीय जांच एजेंसी) की विशेष अदालत ने कन्हैया लाल मर्डर केस के एक आरोपी को जमानत दे दी। मालूम हो कि इस केस में दो पाकिस्तानी नागरिक सहित कुल 11 लोगों को आरोपी बनाया गया था।

उल्लेखनीय हो कि भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नुपुर शर्मा द्वारा पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ कथित तौर पर दिए गए विवादित बयान के बाद उदयपुर में कन्हैया लाल नामक एक हिंदू दर्जी की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। कन्हैया की हत्या का वीडियो भी सामने आया था। जो काफी वायरल हुआ था।

दो पाकिस्तानी सहित 11 आरोपी: शुक्रवार को एनआईए कोर्ट ने जिस आरोपी को जमानत दी, उसका नाम फरहाद मोहम्मद उर्फ बबला है। एनआईए ने कन्हैयालाल हत्याकांड में दो पाकिस्तानी नागरिकों समेत 11 लोगों को आरोपी बनाया था। एनआईए ने नौ लोगों को गिरफ्तार किया था। फरहाद मोहम्मद इन्हीं नौ में से एक है। फरहाद पर आर्म्स एक्ट के मुकदमा दर्ज है।

समुद्र में उतरा भारत का नया लड़ाकू जहाज 'महेंद्रगिरी'

मुंबई, एजेंसी। भारतीय नौसेना अपनी ताकत में लगातार इजाफा कर रही है. मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित 'स्टील्थ' युद्धपोत 'महेंद्रगिरि' का शुक्रवार को मुंबई में जलावतरण किया गया। इस युद्धपोत का नाम ओडिशा में पूर्वी घाट में सबसे ऊंची पर्वत चोटी के नाम पर रखा गया है। यह युद्धपोत 'परियोजना 17-ए' के तहत निर्मित सातवां जहाज है। यह युद्धपोत उन्नत युद्धक प्रणालियों, अत्याधुनिक हथियारों, सेंसर और प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम से लैस है। इस दौरान आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ मुख्य अतिथि थे। इस मौके

पर उनकी पत्नी सुदेश भी मौजूद थीं। धनखड़ ने कहा कि यह उचित है कि युद्धपोत का जलावतरण मुंबई जैसे शहर में हुआ. उन्होंने इसे देश की समुद्री सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

कॉलेज कैंपस में फटी जींस पहनने के खिलाफ याचिका पर छिड़ा विवाद

कोलकाता। कॉलेज परिसर में फटी जींस पहनने के खिलाफ कोलकाता के एक कॉलेज की याचिका का यहां के छात्रों ने विरोध किया है। कोलकाता के आचार्य जगदीश चंद्र बोस कॉलेज ने कॉलेज छात्रों के लिए ड्रेस को लेकर एक अधिसूचना जारी की है। कोलकाता के मिंटो पार्क के इस कॉलेज की घटना पहले ही विवाद को जन्म दे चुकी है।

सूत्रों के मुताबिक अधिकारियों की मुख्य आपत्ति मुख्य रूप से फटी जींस को लेकर है। उनका दावा है कि इससे शालीनता में खलल पड़ता है। इसी के चलते कॉलेज अथॉरिटी ने एक नोटिफिकेशन जारी किया है। न केवल नोटिफिकेशन में कॉलेज अथॉरिटी ने फ्रेशर्स से एक हलफनामे पर हस्ताक्षर करने के लिए भी कहा है, जिसमें ड्रेस के बारे में भी बताया गया है। इसमें प्रवेश से पहले भी आपको एक बांड भरना होगा। यानी छात्रों को लिखना होगा कि मैं फटी जींस या अभद्र कपड़े पहनकर कॉलेज नहीं आऊंगा। कई लोगों ने इस पर हस्ताक्षर भी किये हैं जबकि वे इससे संतुष्ट नहीं हैं। हालांकि, कुछ छात्रों ने आपत्ति जतानी शुरू कर दी है। उनका तर्क है कि आखिर कपड़े पहनने पर इतनी रोक क्यों? कपड़े पहनने की आज़ादी क्यों नहीं? जब इस तरह के कपड़े पहनने की बात आती है तो वयस्कों को नियमों से नहीं बांधा जा सकता। यह बिल्कुल भी ठीक नहीं है। हालांकि, कॉलेज अधिकारी किसी की आपत्ति सुनने को तैयार नहीं हैं।

पुणे में 19 बांग्लादेशी नागरिक गिरफ्तार

पुणे, (एजेंसी)। महाराष्ट्र में पुणे पुलिस के सामाजिक सुरक्षा प्रकोष्ठ (एसएससी) ने शुक्रवार को यहां वेश्यावृत्ति में शामिल 10 महिलाओं सहित 19 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। एसएससी के वरिष्ठ निरीक्षक भरत जाधव ने कहा कि पुलिस को इन विदेशी नागरिकों के बारे में जानकारी मिली है जो पिछले कुछ महीनों से शहर के बुधवार पेठ इलाकों में अवैध रूप से रह रहे थे।

Filmi तड़का

जेलर के प्रोड्यूसर दो कारों के साथ पहुंचे रजनीकांत को गिफ्ट देने, कहा- 'कोई-सी भी चुन लो'

नई दिल्ली। रजनीकांत की फिल्म जेलर ने बॉक्स ऑफिस पर पिछले महीने जमकर कमाई की। यह फिल्म अब भी सिनेमाघरों में शानदार कमाई कर रही है। फिल्म जेलर ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर 600 करोड़ रुपए से ज्यादा की शानदार कमाई कर ली है। फिल्म की शानदार सफलता को देखते हुए जेलर के प्रोड्यूसर ने रजनीकांत बेहद कीमती तोहफा दिया है। जिसे देखने के बाद थलाइवा के फैंस भी हैरान हो सकते हैं। दरअसल जेलर के प्रोड्यूसर कलानिधि मारन ने रजनीकांत को करोड़ों रुपये की कीमती बीएमडब्लू कार गिफ्ट की है। इस बात की जानकारी फिल्म इंडस्ट्री ट्रैकर मनोबाला विजयन ने दी है। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर कलानिधि मारन और रजनीकांत की तस्वीरें शेयर की हैं। इस तस्वीर में मारन थलाइवा को बीएमडब्लू एक्स 7 कार देते हुए नजर आ रहे हैं। इतना नहीं उन्होंने रजनीकांत को 100 करोड़ रुपए का चेक भी दिया है। इससे पूर्व भी उन्हें 110 करोड़ मेहनताना दिया जा चुका है।

अभिनेता आर माधवन बने एफटीआईआई के नए अध्यक्ष, अनुराग ठाकुर ने ट्वीट कर दी बधाई

नई दिल्ली। अभिनेता आर माधवन एफटीआईआई के नए अध्यक्ष होंगे। उन्हें भारतीय फिल्म और टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) के अध्यक्ष और गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया है। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने ट्वीट करके इस बात की जानकारी दी है। हाल ही में आर माधवन की फिल्म 'रॉकेट्रीः द नांबी इफेक्ट' ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार जीता है।

अनुराग ठाकुर ने ट्वीट कर किया ऐलान: अपने ट्वीट में अनुराग ठाकुर ने लिखा कि आर माधवन को एफटीआईआई और गवर्निंग काउंसिल के अध्यक्ष मनोनीत होने पर जी हार्दिक बधाई। मुझे यकीन है कि आपका विशाल अनुभव और मजबूत नैतिकता इस संस्थान को समृद्ध करेगी, सकारात्मक बदलाव लाएगी और इसे उच्च स्तर पर ले जाएगी। मेरी शुभकामनाएं आपके साथ हैं। पिछले दिनों आर माधवन तब भी चर्चा में आए थे जब वे फ्रांस की राजधानी पेरिस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सम्मान में फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन द्वारा आयोजित डिनर में शामिल हुए थे। यह डिनर 14 जुलाई, 2023 को बैस्टिल दिवस समारोह के हिस्से के रूप में लौवर संग्रहालय में हुआ था। उस समय अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम पर डिनर से कई तस्वीरें साझा की थीं और दोनों नेताओं की प्रशंसा करते हुए एक लंबा नोट भी लिखा था। यह सब तब हुआ था जब पीएम मोदी को फ्रांस के नेशनल डे पर मुख्य अतिथि को तौर पर बुलाया गया था।

हिमाचल में बारिश से 2527 मकान ढहे

शिमला। हिमाचल प्रदेश के प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे प्रदेश में अगस्त के दौरान सामान्य से चार फीसदी कम बारिश दर्ज हुई है। मानसून सीजन में सामान्य से 33 फीसदी अधिक बरसे बादल बरसे हैं। हिमाचल में एक सप्ताह से मौसम साफ चल रहा है।

75 फीसदी कम बारिश: इस दौरान सूबे में सामान्य से 75 फीसदी कम बारिश दर्ज हुई। इसके चलते अगस्त की बारिश का कुल आंकड़ा सामान्य से कम रहा है। लगातार तीसरे वर्ष अगस्त में सामान्य से कम बारिश हुई है। वहीं 33 फीसदी अधिक बारिश हुई। अगस्त 2022 में सामान्य से चार और 2021 में 44 फीसदी कम बारिश हुई थी। प्रदेश में शुक्रवार से बारिश के आसार हैं। छह सितंबर तक मौसम खराब बना रहने का पूर्वानुमान है। गुरुवार को राजधानी शिमला सहित प्रदेश के सभी क्षेत्रों में मौसम साफ रहा।

केंद्रीय मंत्री के आवास पर मर्डर

लखनऊ। केंद्रीय राज्यमंत्री (आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय) कौशल किशोर के ठाकुरगंज के फरीदीपुर इलाके में बेगरिया रोड पर स्थित नए आवास पर गुरुवार रात उनके बेटे विकास किशोर की लाइसेंसी पिस्टल से एक भाजपा कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई।

वारदात के वक्त आवास पर भाजपा कार्यकर्ता व विकास किशोर के पांच-छह दोस्त मौजूद थे। जानकारी होने पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंची। बरामद पिस्टल को फोरेंसिक टीम ने जांच के लिए कब्जे में ली है। मंत्री का दावा है कि वारदात के वक्त विकास नहीं था, वह दिल्ली में है। पुलिस हर एक पहलू पर तफ्तीश कर रही है।

उधर शव शव घर पहुंचा तो करीब पौन घंटे तक सड़क पर जाम लगाया। पुलिस अफसरों ने समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। मंत्री कौशल किशोर का बेटा विकास किशोर भाजपा अनुसूचित मोर्चा में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष है। विकास के साथ फरीदीपुर निवासी विनय श्रीवास्तव (24) आठ साल से रह रहा था। बतौर भाजपा कार्यकर्ता वह काम करता था। चंद घंटों में लखनऊ पुलिस ने ऐसे किया कत्ल का खुलासा] मंत्री आवास में जुआ, जीत पर विवाद हुआऔर दोस्त का मर्डर किया।

मृतक विनय (24) केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर

बेटे की लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर भाजपा कार्यकर्ता की हत्या

निवर्तमान अध्यक्ष डा. अवधनाथ पाल व विधायक पंकज पटेल ने साईकिल यात्रा को झंडा दिखाकर प्रारम्भ किया

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव निर्देश पर लोकतंत्र एवं संविधान बचाओ साईकिल यात्रा जो 2 सितंबर से 9 सितंबर जौनपुर के सभी विधानसभा क्षेत्र में विवेक यादव के नेतृत्व में साईकिल यात्रा मुँगराबादशाहपुर के सुजनीडीह चौराहा से निवर्तमान डां अवधनाथ पाल एवं विधायक पंकज पटेल ने झंडा दिखाकर यात्रा प्रारम्भ किया। स्वयं साईकिल चलाकर साईकिल यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा कि देश परिवर्तन चाहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों और फैसलों से किसान, नौजवान, मजदूर और गरीब नाराज और दुःखी हैं। भाजपा ने गरीबों की उम्मीदों को तोड़ा है। भाजपा गरीबों को गुलाम बनाये रखना चाहती है। कहा कि भाजपा सरकार के पास बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार का कोई जवाब नहीं है। सरकार महंगाई बढ़ाकर दस साल से जनता की जेब काट रही है पूरे देश की जनता को लूटा। अब चुनाव सामने देखकर गैस सिलेण्डर की कीमतों में सिर्फ 200 रुपये की है। डीजल-पेट्रोल समेत खाने पीने की चीजें तेल और दाल की कीमतों में महंगाई आसमान पर है यह सरकार मध्यम वर्ग और गरीबों की जेब काट कर पूंजीपतियों की तिजोरी भर रही है। गरीबों को धोखा दे रही है। कहा कि भाजपा सरकार ने जनता से झूठे वादे किये हैं। आज पढ़े-लिखे नौजवानों के हाथ में नौकरी और रोजगार नहीं है।भाजपा सरकार बेरोजगारी पर झूठे आंकड़े देती है। कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को बर्बाद कर दिया है। कानून व्यवस्था नाम की चीज नहीं है। गरीबों के लिए दवा, इलाज का इंतजाम नहीं है। अस्पतालों में दवायें और अन्य सुविधाएं नहीं है। मरीजों को इलाज के लिए भटकना पड़ता है। सरकार ने एक भी सरकारी अस्पताल नहीं बनाया। समाजवादी सरकार में चलाई गई एम्बुलेंस सेवा बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर दिन हत्या, लूट, छेड़खानी की घटनाएं हो रही है। अपराधियों और दबंगों कानून का डर नहीं है। अपराधी घरों में घुसकर हत्यायें कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था की इतनी खराब स्थिति पहले कभी नहीं थी। कहा कि भाजपा सरकार लोकतंत्र, संविधान को खत्म कर रही है। इस साईकिल यात्रा के माध्यम से जनता को सरकार का अन्याय बताया जायेगा यात्रा मे मुख्य रूप अंखड प्रताप यादव राहुल त्रिपाठी, राममूर्ति सरोज इर्शाद मंसूरी, रामलाल पाल, राम इकबाल यादव, प्रवीण सरोज, पंकज मिश्रा, उमाशंकर चौरसिया शैलेंद्र साहू मेवालाल गौतम, भारत यादव, राजेंद्र यादव योगेंद्र यादव अनील दूबे, नितिन सैफई, अशोक यादव, लालचंद यादव, अखिलेश आदि लोग उपस्थित रहे।

डीएम का स्थानान्तरण रद्द करने और दुराचारियों की गिरफ्तारी की सपा की उठी आवाज

प्रखर मिजार्पुर। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल का स्थानान्तरण रद्द करने व अयोध्या मे पैसेंजर ट्रेन में महिला हेड कास्टेबुल के दुराचारियो के खिलाफ कार्यवाही को लेकर शनिवार को समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व मे महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे देवेन्द्र प्रताप सिंह, नगर मजिस्ट्रेट विनय सिंह को मॉग पत्र सौपा।इस अवसर पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि जिलाधिकारी दिव्या मित्तल विकास की एक उम्मीद की एक किरण थी और जिले के विकास में उनका बड़ा योगदान रहा है। लहुरियादह में गॉव वासियों को नल का पानी पहुँचाकर पुनीत कार्य किया है। उनके स्थानान्तरण से आमजन मानस को ठेस लगा है। सत्ता पक्ष के सह पर इनका स्थानान्तरण हुआ है इसे रद्द किया जाय। महिला सभा की जिलाध्यक्ष परवीन बानो ने कहा कि अयोध्या मे पैसेजर ट्रेन मे महिला कास्टेबुल के साथ दुराचार कर उसकी हत्या की गई, दुराचारियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाय अन्यथा समाजवादी महिला सभा चुप नहीं बैठेगी। मॉगपत्र सौंपने वालो में पूर्व चेयरमैन सुरेन्द्र सिंह पटेल भी रहें।

आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन की बैठक संपन्न

प्रखर वाराणसी। आल इंडिया फेयर प्राइज शाप डीलर्स फेडरेशन उत्तर प्रदेश ईकाई के जनपद वाराणसी के पदाधिकारियों की बैठक भुल्लनपुर में सम्पन्न हुई।बैठक के अध्यक्षता प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने किया।बैठक में सर्वप्रथम भेलपुर के बीना पाण्डेय चोलापुर के स्वत्रत चौबे सेवापुरी के शिवशंकर सिंह तथा हरहुआ भठौली के कोटेदार की मृत्यु पर शोक संवेदना व्यक्त किया गया। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष गिरीश तिवारी ने कहा कि संगठन द्वारा लखनऊ में एक कन्वेंशन किया जायेगा। 31 अक्टूम्बर को रविन्द्रालय की किया जायेगा। जिसकी तैयारी की जा रही है। तथा प्रदेश के कोटेदारों का कमीशन बढाये जाने के लिए जल्द ही प्रदेश के मुख्यमंत्री जी से मुलाकात किया जायेगा। इसके तहद प्रदेश की राशन डीलरो की समस्या को जल्द सुलझाया जायेगा। बैठक में प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा चोलापुर के पारस नाथ मिश्र को जिला संरक्षक बनाया गया। बैठक में हर ब्लाक तथा महानगर के पदाधिकारी उपस्थित थे। कुछ जनपद की समस्या को जिला पूर्ति अधिकारी से मिलकर समाधान करने के लिए कहा जायेगा। जिससे कोटेदारों का शोषण ना हो। बैठक में प्रदेश सचिव अजय जायसवाल महानगर अध्यक्ष मदन लाल यादव जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मी पाण्डेय राजकुमार केसरी हरिनारायण तिवारी पाली गुरूजिला सचिव अशोक कुमार पंकज मिश्रा विनोद पांडेय रामनारायण यादव जिला संगठन मंत्री रविन्द्र कुमार विजय कुमार ब्लाक अध्यक्ष सेवापुरी प्रभु नारायण पाण्डेय आराजी लाइन अध्यक्ष अरूण जायसवाल ब्लाक अध्यक्ष चोलापुर दिलीप गिरि काशी विद्यापीठ अध्यक्ष देवबलि सिंह हरहुआ अध्यक्ष सुख्खु प्रसाद कलेक्ट्रेट प्रखण्ड के अध्यक्ष काशीनाथ कोषाध्यक्ष दिनेश गुप्ता संजय कुशवाहा जयप्रकाश सुरेश यादव सुशील मिश्र सोहन गुप्ता आदि लोग मौजूद थे बैठक का संचालन जिला सचिव विनोद पांडेय ने किया।

पीडीए की मजबूत संरचना ही इंडिया के विजय का मार्ग : आरिफ हबीब

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मंत्री सिद्धार्थ सिंह ने जनपद जौनपुर के स्थापना काल से जुड़े सपा नेता आरिफ हबीब को दोबारा मुलायम सिंह यादव यूथ ब्रिगेड में राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य मनोनीत किया है। सपा नेता पिछले कार्यकाल में भी राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रहकर पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य करते रहें है। सपा नेता आरिफ हबीब जौनपुर की नगर इकाई के सचिव के पद पर तथा छात्र सभा की पूर्वांचल विश्वविद्यालय इकाई के सचिव एवं महासचिव भी रहे। इसके अतिरिक्त सदर विधानसभा जौनपुर एवं ज़िला इकाई में विशेष आमंत्रित सदस्य भी रहे है। समाजवादी युवजन सभा की प्रदेश इकाई में सचिव रहे आरिफ हबीब संप्रति व्यापार मंडल के ज़िला महामंत्री भी है। अल्पसंख्यकों की जनपद की सर्वोच्च संस्था मरकजी सीरत कमेटी के उपाध्यक्ष भी रहे। आरिफ हबीब ने पूनः राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य के मनोनयन पर दोगुनी ऊर्जा से पार्टी के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करते रहने के संकल्प के साथ पीडीए की संरचना को अधिक मजबूती देकर 2024 में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाने का संकल्प लिया। आरिफ हबीब ने राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि एक छोटे से कार्यकर्ता को पूनः सम्मान देकर दल और नेता के प्रति मेरे विश्वास को और अधिक बढ़ा दिया। आरिफ हबीब के मनोनयन पर जनपद के सपाजनों में हर्ष व्याप्त है। दूरभाष, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से मिलकर बधाई देने वालों का ताता लगा हुआ है।

नए मंदिर बनाने की जगह पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार होना चाहिए : श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। शिवाला घाट स्थित पूणार्नंद मठ में भगवान चंद्रमौलीश्वर महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार समारोह के अवसर पर कांची कामकोटि पीठाधीश्वर जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी श्री शंकर विजयेन्द्र सरस्वती जी महाराज ने कहा कि नए मंदिर बनाने की जगह पुराने मंदिरों का जीर्णोद्धार होना चाहिए। मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के सुख सुविधा के लिए व्यवस्था होनी चाहिए ताकि किसी को कोई परेशानी ना हो सके उन्होंने कहा कि सनातन धर्म अत्यंत प्राचीन है लेकिन इसका नवीकरण भी किया जाना चाहिए विदित हो कि भारतीय मूल के अमेरिका निवासी रमन त्रिपाठी ने इस जीर्ण-शीर्ण मंदिर का जीर्णोद्धार कराया जिसका लोकार्पण जगतगुरु शंकराचार्य जी कर कमलों से हुआ इससे पूर्व जगतगुरु शंकराचार्य का पूर्ण कुंभ देकर स्वागत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के सदस्य के वेंकटरमण घनपाठी ने किया तत्पश्चात जगतगुरु शंकराचार्य ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच चंद्रमौलीश्वर महादेव का अभिषेक किया। कार्यक्रम का संचालन के वेंकटरमण घनपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन रमन त्रिपाठी ने किया `कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कांची मठ के प्रबंधक वीएस सुब्रमण्यम मणि, काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के अध्यक्ष प्रोफेसर नागेंद्र पांडे, बृजभूषण ओझा, पतंजलि मिश्रा, मंदिर के ट्रस्टी संदीप जोशी सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

दो वर्षो से खराब पड़े ट्यूबवेल की मरम्मत को लेकर सपाईयों ने दिया पत्रक

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। समाजवादी पार्टी नगर इकाई के अध्यक्ष मुमताज अहमद के नेतृत्व में सपाईयों का प्रतिनिधिमंडल नगर के पटवा टोला/तकिया डोमान वार्ड संख्या 22 में खराब पड़े ट्यूबवेल पंप की मरम्मत को लेकर पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी को एक पत्रक सौंपा। वार्ड में पानी की खराब ट्यूबवेल पंप की वजह से वार्ड वासियों को दर-दर पानी के लिए भटकना पड़ रहा है कभी कोई पड़ोस की सबमर्सिबल से पानी ले रहा है तो कभी बाजार में जाकर गैलन द्वारा पीने का पानी ले कर आ रहा है । वार्ड के लोगों की परेशानियों को देखते हुए पालिका अध्यक्ष ओमप्रकाश केसरी को सपाईयों ने पत्र सौंपा , ताकि जल्द से जल्द पानी की समस्या का समाधान हो सके। इस दौरान उपस्थित रहने वालों में इसरार अहमद , किस्मत कुशवाहा , इरफान अंसारी ,मनोज सोनकर, इरफान अंसारी ,सफीक अहमद, मो. अजीम , हाफिज बन्ने अंसारी समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

केराकत नगर पंचायत को नगर पालिका एवं चंदवक को नगर पंचायत बनाने की मांग

केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने नगर विकास मंत्री से पत्र लिखकर किया मांग

प्रखर जौनपुर। पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने नगर विकास मंत्री से मिलकर केराकत नगर पंचायत को नगर पालिका करने व चंदवक को नगर पंचायत बनाने की मांग की है। बता दे कि विगत पूर्व दिनों केराकत विधानसभा के भाजपा के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री नगर विकास ए.के. शर्मा से मुलाकात कर उन्हें केराकत नगर पंचायत को नगर पालिका करने एवं चंदवक बाजार को नगर पंचायत घोषित करने के संबंध में अपने पत्रक को सौंपते हुए स्वीकृति की मांग किया,पिछले 3 वर्षों से लगातार केराकत के पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने नगर विकास से संबंधित मंत्रियों को कई बार पत्र लिखकर के केराकत नगर पंचायत को नगर पालिका करने,उसके क्षेत्रफल के विस्तार करने एवं चंदवक बाजार को नगर पंचायत बनाने की दिशा में प्रयास किया है। अब ऐसा लग रहा है कि उनका प्रयास फलीभूत होने जा रहा है,इनके पत्र के जवाब में नगर विकास मंत्री ने नगर विकास के प्रमुख सचिव को त्वरित कार्यवाही हेतु अपनें पत्र को प्रेषित कर दिया है। स्थिति की सूचना स्वयं नगर विकास विभाग के कैबिनेट मंत्री ए.के. शर्मा ने पत्र लिखते हुए पूर्व विधायक दिनेश चौधरी को दी है,अगर संबंधित मांगों की स्वीकृतियां प्राप्त हो जाती है तो वाकई केराकत विधानसभा के विकास में मिल का पत्थर साबित होगी,इस बार अटकलें तेज है। पूर्व विधायक के मीडिया प्रभारी गौतम मिश्र "गोलू" ने बताया कि पूर्व विधायक दिनेश चौधरी विधानसभा क्षेत्र केराकत के कई ऐसे विकास परियोजनाओं को लेकर लगातार सक्रिय जो अब लगभग-लगभग स्वीकृतियों के कगार पर खड़ी है,जैसे कि केराकत नगर में रोडवेज बस स्टैंड,केराकत विधानसभा में मिनी स्टेडियम और आईटीआई कॉलेज यह तीन महत्वपूर्ण परियोजनाएं जल्द से जल्द केराकत विधानसभावासियों को स्वीकृति प्राप्त कराकर पूर्व विधायक दिनेश चौधरी के द्वारा समर्पित कर दिए जाएंगे।

दीपशिखा पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ शिक्षक अभिभावक बैठक

दी गयी बच्चों के प्रगति की जानकारी, लिए गये सुझाव, अभिभावकों ने विद्यालय की पठन पाठन व प्रबंधन कार्यो को सराहा

प्रखर पटहेरवा, कुशीनगर। एक और प्रयास के तहत दीपशिखा पब्लिक स्कूल पटहेरवा (पटहेरिया) में सभी कक्षाओं की छात्र छात्राओं के लिए पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन करवाया गया। जिसमें बच्चों के पेरेंटेस ने बढ़-चढ़ कर भाग लेते हुए संबंधित अध्यापकों के साथ अपने पाल्यो के शिक्षा के क्षेत्र में विकास से संबंधित विषय विस्तार से चर्चा की। छात्र छात्राओं के पेरेंट्स ने इस अवसर पर प्रत्येक अध्यापक के द्वारा बच्चों को प्रदान किए जाने वाले उचित मार्गदर्शन की सराहना करने के साथ-साथ आगमाी परीक्षाओं से संबंधित अपने सवालों के जवाब भी बेहद सरल ढंग से प्राप्त किए। प्रत्येक माता पिता के द्वारा डीपीएस विद्यालय प्रबंधन की ओर से किए गए स्टूडेंट फ्रेंडली सुधारों की भी प्रशंसा की गई। विद्यालय के प्रबंधक पीसी गुप्ता ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि पेरेंट्स-टीचर मीटिंग का आयोजन छात्र छात्राओं एवं उनके माता पिता के साथ संवाद रचाने का एक कारगर माध्यम है, जहां छात्र छात्राओं को मुहैया करवाई जा रही शिक्षा के संबंध में प्रतिक्रिया एवं उचित सलाह की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही उन्होंने इस सफल आयोजन के लिए शिक्षकों की सराहना करते हुए छात्र छात्राओं को अपनी आने वाली परीक्षाओं में शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अपने बच्चों पर ध्यान देने के लिए समय की कमी एक तरह से बच्चों के सर्वांगीण विकास को बाधित करती है, और माता-पिता का जिक्र करते हुए कहा,कि आप सभी को अपने व्यस्त कार्यक्रम से कुछ समय निकालना चाहिए। जो आपके बच्चों के सर्वांगीण विकास में मदद करेगा। बच्चों को सलाह दी कि वे अपना कीमती समय मोबाइल फोन पर बर्बाद करने के बजाय अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करें। कम से कम पढ़ाई के दौरान मोबाइल फोन से दूरी बनाए रखें, जिस पर आपको ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अभी से आगे आने वाले अर्धवार्षिक परीक्षा की तैयारी शुरू कर दें, ताकि आप सभी अच्छे अंक प्राप्त कर अपना, अपने माता-पिता और शिक्षकों का आनंद बढ़ा सकें और साथ में अपने विद्यालय का नाम रोशन कर सकें। अभिभावकों ने प्रधानाचार्य विपिन को अपने बच्चों की पढ़ाई में आ रही दिक्कतों से अवगत कराया। हालाँकि, माता-पिता ने अपने बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए उनके साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया। इस बैठक को लेकर बच्चों के अभिभावकों में खासा उत्साह दिखा। जहां अभिभावक अपने बच्चों के स्कूल पहुंचे तो उन्होंने शिक्षकों से बात कर बच्चों की पढ़ाई की कारगुजारी के बारे जानकारी ली। इस अवसर पर अभिभावकों को शिक्षा के अलावा अन्य क्षेत्रों में अपने बच्चों की उपलब्धियों की जानकारी दी गई। साथ ही शिक्षा में कमजोर बच्चों को किस प्रकार प्रोत्साहित कर आगे लाया जा सकता है, इस बारे में बच्चों व अभिभावकों को काउंसिलिंग कर समाधान निकालने का प्रयास किया गया।

आईएमए शाहगंज ने लीवर संबंधी बीमारी पर आयोजित किया सेमिनार

प्रखर शाहगंज जौनपुर। आईएमए शाहगंज में एक सेमिनार का आयोजन हिमालय वेलनेस कंपनी द्वारा किया गया ,जिसमें मुख्य रूप से वयस्कों के साथ-साथ बच्चों में बढ़ रही लिवर संबंधी बीमारियों पर चर्चा हुई। चर्चा में मुख्य रूप से डॉ.एसएल गुप्ता द्वारा अंतर्गर्भाशयी बाल चिकित्सा देखभाल पर अपनी राय रखी,वही डॉ रफीक फारूकी द्वारा लीवर विकार पर तो डॉ. अभिषेक रावत द्वारा मूत्र असंयम एवम डॉ.फारूक अरशद द्वारा लिवर विकार में यूएसजी पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई,इस मौके पर आयोजक डॉ. एसएल गुप्ता और डॉ. दुबे द्वारा डॉ.रफीक फारूकी को सम्मानित किया गया। मूल्यवान बातचीत और चर्चा के साथ सीएमई प्रोग्राम सफल रहा सीनियर्स और जूनियर्स के बीच की दूरी भी कम दिखी। आईएमए द्वारा अद्भुत मंच प्रदान करने के लिए हिमालय वेलनेस कंपनी को सभी ने धन्यवाद दिया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. दुबे, डॉ. मौलश्री, डॉ. पी. चित्रवंशी, डॉ.रुचि मिश्रा, फैसल, डॉ. अब्दुल्ला,डॉ. वाहिद, डॉ. सालेह, डॉ.नाज़िया, डॉ. नशरा, डॉ. आरबी यादव, डॉ. राकेश ,डॉ मारिया,मुख्य रूप से मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की आवश्यक बैठक आहुत

प्रखर वाराणसी। उत्तर प्रदेशीय चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी संघ P. w.D कार्यालय में उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ की एक आवश्यक बैठक आहुत की गयी। बैठक की अध्यक्षता नव निर्वाचित जिलाध्यक्ष श्री संजय कुमार तिवारी ने किया और संचालन पूर्व महामंत्री चिरई गांव जितेन्द्र कुमार गुरुजी ने किया। बैठक में सर्वसम्मति यह प्रस्ताव पारित किया गया नवनिर्वाचित पदाधिकारीयों का सपथ ग्रहण समारोह दिनांक 10/09/2023 दिन रविवार मनाया जायेगा। बैठक में यह भी प्रस्ताव पारित किया गया सपथ ग्रहण समारोह के बाद तत्काल कर्मचारी समस्या पर प्रकाश डाला जायेगा। और उसका निस्तारण प्राथमिक आधार पर किया जायेगा। बैठक में जिलाध्यक्ष महासंघ श्री रामचन्द्र गुप्ता उत्तर प्रदेश पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ वाराणसी ओमप्रकाश सिंह पटेल पूर्व उपाध्यक्ष संयोजक- विष्णु प्रसाद, जितेंद्र कुमार गुरु जी, पूर्व महामंत्री जितेन्द्र कुमार वर्मा, ब्लाक अध्यक्ष चिरईगांव कल्लू पटेल, पिण्डरा अध्यक्ष श्रवण कन्नौजिया, आराजी लाईन अध्यक्ष शिवजगत, चोलापुर अध्यक्ष गोविन्द यादव हरहुआ कार्यवाहक अध्यक्ष अमित कुमार रविशंकर, जगरनाथ दादा, पुन्नुप्रसाद' विनोद यादव पिण्डरा महामंत्री सेवापुरी महामंत्री राज किशोर, राकेश भारती इत्यादि कर्मचारी उपस्थित रहे।

रामकथा मन्दाकिनी सेवा ट्रस्ट द्वारा माँ कुषमांडा देवी (दुर्गा माँ) का किया गया भव्य श्रृंगार

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रामकथा मन्दाकिनी सेवा ट्रस्ट की तरफ से दुगार्कुंड स्थित माँ कुषमांडा देवी (दुर्गा माँ) के प्राकट्य दिवस पर माँ का भव्य श्रृंगार किया गया` उक्त अवसर पर ट्रस्टी श्री हरीश वालिया ने बताया की ट्रस्टी गण व क्षेत्रीय पार्षद व नागरिक पूरे भक्तिभाव से श्रंगार किया एवं भंडारे का दुगार्कुंड पुलिस चौकी के बगल मे भंडारा का आयोजन किया गया` उक्त कार्यक्रम मे ट्रस्ट की तरफ से माँ कुषमांडा को भोग लगाया गया तत्पश्ताच भंडारा प्रारम्भ किया गया जिसमें हजारों की संख्या में भक्तजन उपस्थित होकर प्रसाद ग्रहण किया कार्यक्रम मे स्थानीय पार्षद अक्षयवर सिंह, संजय सिंह, राम प्यारे चौबे, नवीन श्रीवास्तव, डॉ कमलेश तिवारी, शैलेश वर्मा, रणबीर सिंह,प्रमोद त्रिपाठी, भारत जी, राजेश बहल, विनय राय, दिनेश गुप्ता आदि ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

तृप्ति सिंह ने ज़िले का बढ़ाया सम्मान, स्कालरशिप के लिए मिले 2.5 करोड़

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जनपद गाजीपुर की धरती एक से एक महुमुखी प्रतिभाये भारी पड़ी है जो वर्षो से देश ही नहीं विश्व स्तर पर अपनी पहचान बनायी है, वही समय के साथ मेधावी बच्चों की सफलता ने भी कई बार जिले को गौरवान्वित किया है। इसी क्रम में एक बार फिर इस मिट्टी के बेटी ने विदेशी धरती पर भारतीय विद्यानता को नयी पहचान दिलायी है। तहसील मुहम्मदाबाद के कुंडेसर गाव के बृजेश नरेन सिंह के होनहार पुत्री तृप्ति सिंह को यूके की सरकार ने भारतीय मुद्रा के अनुसार वारविक विश्वविद्यालय लन्दन में वैश्विक सतत विकास (ग्लोबल सस्टेनेबल डेवलपमेंट) विषय पर रिसर्च के लिए 2.5 करोड़ रुपए बतौर स्कालरशिप दी है। इस स्कालरशिप में ट्यूशन फीस, आवास, यात्रा, खर्च, भोजन और स्वास्थ्य बीमा खर्च शामिल है। तृप्ति सिंह इस विश्वविद्यालय में चार वर्ष तक पीएचडी करेगी। उक्त जानकारी के अनुसार ग्लोबल सस्टेनेबल डेवलपमेंट में रिसर्च के लिए निर्धारित महज एक सीट ले लिए पूरे देश से विधार्थियों ने भाग लिया था। जिससे मेरिट के आधार पर तृप्ति सिंह का चयन हुआ है। तृप्ति सिंह सोशियोलॉजी विषय मे स्वच्छन्द विकास के क्षेत्र में 7 साल से अधिक का अनुभव प्राप्त किया है। जबकि उन्होंने केंद्रीय नीति अनुसंधान के साथ एक वर्ष यूनिसेफ के साथ भी काम किया है। तृप्ति सिंह ने हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की पढ़ाई विश्व भारती पब्लिक स्कूल नोएडा से की है। और स्नातक मिरांडा हाउस दिल्ली विश्वविद्यालय में गोल्ड मेडल प्राप्त किया है। वही सोशियोलॉजी विषय से पोस्ट ग्रेजुएशन में मुम्बई विश्वविद्यालय से किया है। तृप्ति सिहं रिवरडेल ग्लोबल स्कूल जयनगर मुहम्मदाबाद की फाउंडर मेम्बर भी है। इस उपलब्धि पर तृप्ति सिंह ने अपनी इस उपलब्धि के मौके कही कि सफलता का कोई शार्टकट नही है। मेहनत और लगन से किया गया प्रयास हमेशा सुखद परिणाम देता है, और छात्र छात्राओं के लिए प्रेरणाश्रोत है। बहुप्रतिष्ठित विश्वविद्यालय में परीक्षा उतीर्ण की जानकारी होने पर स्वजन सहित पूरे जनपद में खुशी लहर जंगल में लगी आग की तरह फैल गई है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं